www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, शुक्रवार
23 अक्टूबर 2026
वर्ष: 49
अंक: 164 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

सोनिया गांधी पहली बार सोशल मीडिया पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने गुरुवार को पहली बार अपना इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया। उन्होंने अपनी पहली पोस्ट में आने वाली किताब का वीडियो शेयर किया। यह किताब 10 नवंबर को लॉन्च होगी। सोनिया ने पहली पोस्ट गुरुवार सुबह 9 बजे की थी। इसमें लिखा कि नमस्कार, मैं अपनी किताब आप सभी के साथ साझा करके खुश हूं। यह प्यार, कर्तव्य, अपनों को



खोने और अपनेपन की जगह तलाशने की कहानी है। मैं इसे आप सबके साथ साझा करने के लिए उत्सुक हूं। वीडियो में सोनिया अपने करीबियों और बेटी प्रियंका गांधी के साथ नजर आ रही हैं। इस दौरान प्रियंका ने मां को मिठाई भी खिलाई। किताब में राजीव गांधी से मुलाकात का भी जिक्र किताब में सोनिया ने इटली में बिताए बचपन से लेकर कैंब्रिज में राजीव गांधी से मुलाकात तक का जिक्र किया है। इसमें नेहरू-गांधी परिवार में शादी और परिवार में हुई हत्याओं के बाद बदली जिंदगी के बारे में लिखा है। किताब की शुरुआत इटली के वेनेटो क्षेत्र में सोनिया के बचपन से होती है।

हेलीकॉप्टर्स ने गंगा के ऊपर दिल बनाया बरसाए फूल

वाराणसी (एजेंसी)। शिव की नगरी काशी में नमो घाट पर आसमान में बृहस्पतिवार की सुबह एक साथ सैकड़ों विमानों ने उड़ान भरी तो हजारों निगाहें आसमान पर टिक गईं। कुछ ही पलों में विमान नीचे आए, तेजी से पलटे और फिर ऊंचाई की ओर बढ़



गए। विमानों की लकीरों ने आसमान में तिरंगे की आकृति बनाई तो दर्शक रोमांचित हो उठे। गंगा के ऊपर आसमान में पहली बार काशी वायुसेना के शौर्य की साक्षी बनी। इस दौरान राफेल, सुखोई-30 एमकेआई, मिराज-2000 और तेजस जैसे लड़ाकू विमानों ने अपनी रफ्तार और युद्धक क्षमता का प्रदर्शन किया। एयर शो देखने के लिए नमो घाट से लेकर अस्सी व दशाश्वमेध के साथ ही सभी घाटों पर लोगों की भीड़ रही। इस दौरान लोगों ने आंखों के सामने विमानों का करतब देख कहा कि ये पल ऐतिहासिक है। बच्चों में काफी उत्साह दिखा। बता दें कि एयर शो में देश के 12 एयरबेस से 100 लड़ाकू विमान उड़ान भरेंगे। इनमें 52 लड़ाकू, 15 परिवहन, एक विंटेज विमान और 32 हेलीकॉप्टर शामिल रहेगा।

26 प्रस्ताव पास, धामी कैबिनेट की युवाओं को सौगात



देहरादून। धामी सरकार ने युवाओं के लिए कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है। वहीं, गैरसैंण में प्रस्तावित विधानसभा सत्र में करीब 7000 करोड़ का अनुपूरक बजट लाने को भी हरी झंडी दिखा दी गई है।

बृहस्पतिवार को सचिवालय में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक हुई। बैठक में 26 प्रस्तावों पर मुहर लगी। धामी कैबिनेट का फोकस युवाओं पर दिखा। राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर पुरस्कार प्राप्त खिलाड़ियों को उत्तराखंड परिवहन निगम की बसों में निशुल्क यात्रा की सुविधा का प्रस्ताव कैबिनेट ने पास कर दिया। वहीं, प्रदेश में साहसिक एवं पर्यावरणीय पर्यटन के नियोजित, सुरक्षित और सतत विकास के लिए उत्तराखंड एडवेंचर टूरिज्म कॉरपोरेशन बनाने के प्रस्ताव को भी हरी झंडी दे दी गई।

इसके अलावा एक जिला, एक खेल योजना के तहत 14 मुख्य खेल प्रशिक्षकों की तैनाती का प्रस्ताव मंजूर हो गया। इसके तहत हर जिले की पहचान एक खेल से होगी। उसी के मुख्य प्रशिक्षक उस जिले में तैनात होंगे। निदेशालय में भी एक मुख्य खेल प्रशिक्षक की तैनाती होगी।

दिव्यांग छात्रों को बोर्ड परीक्षाओं में पांच प्रतिशत की छूट

बौद्धिक दिव्यांगता, मानसिक अस्वस्थता, ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर, सेरेब्रल पाल्सी एवं विशेष अधिगम अक्षमता से संबंधित दिव्यांग छात्रों को उत्तराखंड बोर्ड 10वीं व 12वीं की परीक्षाओं में उत्तीर्ण अंकों में पांच प्रतिशत की छूट मिलेगी। इन श्रेणियों के छात्रों को 28 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर उत्तीर्ण माना जाएगा।

स्टाम्प वादों के निस्तारण के लिए वन टाइम सेटलमेंट योजना

प्रदेश में लंबित स्टाम्प वादों के त्वरित निस्तारण के लिए एकमुश्त निपटारा यानी वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) समाधान योजना लागू करने का निर्णय लिया गया है। इसका उद्देश्य स्टाम्प वादों का शीघ्र एवं पारदर्शी निस्तारण, राजस्व की वसूली और पक्षकारों को ब्याज एवं अर्थदंड की देयता में राहत प्रदान करना है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में स्टाम्प कलेक्टर एवं राजस्व परिषद के न्यायालयों में लगभग 3,600 स्टाम्प वाद लंबित हैं।

लोनिवि के निर्माण कार्यों को आसानी से मिलेगी मंजूरी

लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत सड़क व पुल निर्माण कार्यों की स्वीकृति प्रक्रिया में बदलाव को मंत्रिमंडल ने सहमति दे दी। वर्तमान में द्वितीय चरण के अंतर्गत अलग-अलग स्टेज में पहाड़ कटान, सुरक्षा दीवारों, पुलिया, नालियों एवं अन्य कार्यों की स्वीकृति दी जाती है। नई व्यवस्था में द्वितीय चरण के सभी कार्य एक ही स्टेज में स्वीकृत किए जाएंगे। इससे पहाड़ कटान के बाद आवश्यक सुरक्षात्मक कार्य समय पर कराए जा सकेंगे और मार्गों को होने वाली क्षति कम होगी।

विधानसभा सत्र में आएगा सात हजार करोड़ से ज्यादा का अनुपूरक बजट

ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण के भराड़ीसैंण विधानसभा में 27 अक्तूबर से दो दिवसीय विधानसभा सत्र का आयोजन होगा। यह इस सरकार का अंतिम विधानसभा सत्र है। इस बार विधानसभा सत्र में सात हजार करोड़ से ज्यादा का अनुपूरक बजट आएगा। कैबिनेट ने इसके प्रस्ताव पर मुहर लगा दी है।

स्पीकर ने 24 अक्तूबर को बुलाई कार्यमंत्रणा समिति की बैठक

विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी ने बताया कि गैरसैंण में सत्र के लिए सभी तैयारियां पूरी है। इस बार भी सत्र के दौरान बेहतर व्यवस्था व सुरक्षा को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा, सदन की कार्यवाही संचालित करने के लिए कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में एजेंडा तय किया जाएगा।

24 अक्तूबर को देहरादून में बैठक बुलाई गई है। उन्होंने कहा कि सत्र गैरसैंण में हो रहा है और कार्यमंत्रणा में सिर्फ एजेंडा किया जाता है। गैरसैंण में सत्र के लिए कई व्यवस्थाएं करने के साथ स्टाफ की कमी होने से कई दिक्कत रहती है। इस वजह से देहरादून में कार्यमंत्रणा की बैठक बुलाई गई है। सत्र में अनुपूरक बजट के साथ ही द्वितीय उत्तराखंड जन विश्वास संशोधन विधेयक, 2026, उत्तराखंड अग्निशमन एवं आपात सेवा विधेयक, 2026 सहित अन्य विधेयक व और विभागों की वार्षिक प्रतिवेदन रिपोर्ट सदन में पेश की जाएगी।

सेना के लिए 770 करोड़ के रडार खरीदेगा भारत

फाइटर जेट और छोटे ड्रोन को पहचानकर करेंगे ट्रैक

हवाई खतरों से निपटने में मदद मिलेगी, बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना की हवाई सुरक्षा मजबूत करने के लिए बुधवार को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ करीब 770 करोड़ रुपए की डील की है। इसके तहत इम्प्रूव्ड लो लेवल लाइट वेट रडार खरीदे जाएंगे। ये रडार फाइटर जेट के साथ बेहद छोटे ड्रोन का भी पता लगाकर उनकी गतिविधियों को ट्रैक कर सकेंगे। ये रडार हवाई लक्ष्यों की पहचान कर यह भी तय कर सकेंगे कि किस खतरे पर पहले ध्यान देना जरूरी है। इससे दुश्मन के ड्रोन से निपटने में सेना को मदद मिलेगी। साथ ही, देश की हवाई सुरक्षा मजबूत होगी और भारत में रक्षा उपकरण बनाने को बढ़ावा मिलेगा।



स्वदेशी रक्षा निर्माण को मिलेगा बढ़ावा

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड से करीब 770 करोड़ रुपए के रडार खरीदने का करार देश में रक्षा उपकरणों के निर्माण को बढ़ावा देगा। इससे घरेलू रक्षा उद्योग और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को भी अवसर मिलने की उम्मीद है। यह पहल आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया के लक्ष्यों के अनुरूप है। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना और नौसेना की क्षमता बढ़ाने के लिए करीब 4,106 करोड़ रुपए के दो रक्षा करार किए।

वायुसेना को मिलेगा 2,563 करोड़ का संचार उपग्रह

मंत्रालय ने न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड के साथ जीसैट-7ए संचार उपग्रह के लिए 2,563 करोड़ रुपए का करार किया। स्वदेशी रूप से विकसित इस उपग्रह से वायुसेना के विमानों और अन्य संसाधनों के बीच सुरक्षित और बेहतर संचार व्यवस्था मजबूत होगी। भारत डायनेमिक्स लिमिटेड के साथ 1,543 करोड़ रुपए का करार किया गया। इसके तहत नौसेना के लिए स्वदेशी वरुणास्त्र हेवी वेट टॉरपीडो खरीदे जाएंगे। इन्हें जहाज से दागकर दुश्मन की पनडुब्बियों को निशाना बनाया जा सकता है। इससे नौसेना की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमता बढ़ेगी।

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों का बड़ा ऐक्शन

दो संदिग्ध आतंकी मददगारों को किया गिरफ्तार

बारामूला (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला में सुरक्षाबलों ने दो संदिग्ध आतंकी सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से तुर्किये में बनी एक कनिक पिस्टल, 10 कारतूस वाली मैगजीन और दो आईईडी बरामद हुए हैं। पिछले 60 दिनों में ऐसी 18 आतंकी सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, दोनों ओवरग्राउंड वर्कर के तौर पर काम कर रहे थे। उन पर आतंकियों तक हथियार और विस्फोटक पहुंचाने में मदद करने का शक है। दोनों सोपोर के चिंकीपोरा के रहने वाले हैं। खुफिया सूचना के आधार पर सेना की 52 राष्ट्रीय राइफल्स और बारामूला पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर दोनों को डेलिना घाट के पास डारपुरा नर्सरी इलाके से गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई को कश्मीर घाटी में आतंकी गतिविधियों पर रोक लगाने और आतंकियों के मददगार नेटवर्क को खत्म करने की दिशा में अहम कामयाबी माना जा रहा है। मामले की जांच जारी है। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में पूर्व आतंकी पकड़ाया था।

फ्रांस दंगों से जुड़े भारत में हुए प्रदर्शनों के तार

रिपोर्ट में दावा-चीन में बैठा सिंघम कर रहा फंडिंग

9 देशों के 101 संगठनों तक फैला सीक्रेट नेटवर्क



नई दिल्ली (एजेंसी)। फ्रांस में हुए दंगों और भारत में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर हो रहे प्रदर्शनों के बीच कनेक्शन का दावा किया गया है। अमेरिकी न्यूज चैनल फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट में 9 देशों के 101 संगठनों के नेटवर्क का जिक्र है। रिपोर्ट के मुताबिक, ये संगठन अलग-अलग देशों में प्रदर्शनों के आयोजन, उनके बीच तालमेल बनाने या उन्हें बढ़ावा देने में भूमिका निभा रहे हैं। इसमें फ्रांस के इंडियन अलायंस पेरिस और प्रोग्रेसिव इंटरनेशनल जैसे संगठनों का भी नाम है।

फ्रांसीसी कम्युनिस्ट पार्टी से संबंध का दावा

फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट 'ग्लोबल केऑस इंक ग्रोज टू 101 ग्रुप्स' में इंडियन अलायंस पेरिस और मैनहैटन स्थित पीपल्स फोरम के बीच साझेदारी का जिक्र किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म डिसइन्फोलैब ने अपनी एक पोस्ट में दावा किया कि सचिव जॉय बनर्जी फ्रांस की ट्रेड यूनियन के पूर्व प्रतिनिधि रह चुके हैं और उनके फ्रांसीसी कम्युनिस्ट पार्टी से संबंध हैं।

कांग्रेस अगले 30 साल तक सत्ता में नहीं आएगी

● वोट चोरी के आरोपों पर राहुल गांधी को अमित शाह की दो टूक ● कहा-प्रदर्शन और धरने से कुछ नहीं होगा, जनता के बीच जाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमुना नदी के पुनरुद्धार के लिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को 8,941 करोड़ की लागत वाली दिल्ली जल बोर्ड की कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया और उनकी आधारशिला रखी। इस दौरान अमित शाह ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की पूर्व सरकारों पर सीवर का पानी यमुना में छोड़ने का आरोप लगाया। साथ ही उन्होंने विपक्ष के वोट चोरी और एसआईआर को मुद्दे को लेकर पलटवार भी किया। अमित शाह ने कहा, दिल्ली में एक अलग खेल चल रहा है। लगातार सरकारें भारतीय जनता पार्टी की चुनकर आ रही है। उनको पेट में दर्द है, इसलिए इन्होंने वोट चोरी का बहाना बनाया। वो कहते हैं कि भारतीय जनता पार्टी लोगों वोट से चुनकर नहीं आती। वोट चोरी करती है।



2014 से 30 तक आपकी सरकार देश में नहीं बनने वाली है: गृहमंत्री

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, जब मैं कहता हूं कि 30 साल तक भाजपा की सरकार रहेगी तो ये जनता को कहते हैं कि देखो वोट चोरी है वरना अमित शाह जी को कैसे मालूम पड़ा। अमित शाह तो यहां जन्मा है, यहां रहता है और यहीं मरेगा, मुझे हर 6 महीने में विदेश नहीं जाना पड़ता है। मैं तो देश की जनता के बीच में रहता हूं। आप जिस तरह से नाकारात्मक राजनीति कर रहे हैं, उसके आधार पर मैं कहता हूं कि 2014 से 30 तक आपकी सरकार कभी नहीं बनने वाली है। चुनाव आयोग पर विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे आरोपों पर शाह ने कहा कांग्रेस केरल में जीतती है, तो ईसी ठीक।

पुलवामा में खुला आरएसएस का पहला स्थायी कार्यालय

प्रभारी बोले-बच्चे अब यहां पत्थर नहीं, किताबें उठा रहे

2019 में यहां सीआरपीएफ पर अटैक, 40 जवान शहीद हुए

पुलवामा (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े भारतीय मजदूर संघ ने बुधवार को दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के बारसू में अपना पहला स्थायी कार्यालय खोला है। इसे घाटी में संगठन की गतिविधियों के विस्तार की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। आरएसएस के कश्मीर प्रभारी समीर कुचे ने कहा कि कार्यालय खुलना बदले हुए कश्मीर की तस्वीर है। उनके मुताबिक, अब बच्चे-युवा पत्थर उठाने के बजाय किताबें थामना चाहते हैं। वहीं, आरएसएस के अखिल भारतीय संगठन मंत्री बी. सुरेंद्रन ने कहा कि स्थायी कार्यालय से संगठन की गतिविधियों के समन्वय और कार्यकर्ताओं व स्थानीय लोगों से संपर्क बढ़ाने में मदद मिलेगी।



संघ की घाटी में गतिविधियां बढ़ाने की तैयारी

दक्षिण कश्मीर के पुलवामा में संघ के स्थायी कार्यालय का उद्देश्य घाटी में संगठन की गतिविधियों को व्यवस्थित करना और स्थानीय लोगों से संपर्क बढ़ाना है। कार्यालय के जरिए कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय मजबूत करने और जमीनी स्तर पर जुड़ाव बढ़ाने की योजना है। पुलवामा जिला लंबे समय से आतंकवाद और सुरक्षाबलों के अभियानों को लेकर चर्चा में रहा है। यहां जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर ऐक्टिव हैं।

रामपुर जेल में आजम खान से मिले अखिलेश यादव

रामपुर (एजेंसी)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को रामपुर जेल में बंद आजम खान से मुलाकात की। दोनों के बीच एक घंटे तक बाचतीत हुई। जेल में मुलाकात करने के बाद सपा प्रमुख ने भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का लक्ष्य स्पष्ट है, हमारा सीधा उद्देश्य भारतीय जनता पार्टी को हराना है, और समाजवादी पार्टी का हर कार्यकर्ता इसे हासिल करने के लिए काम करने को तैयार है। उन्होंने कहा कि बीजेपी नेताओं को लगता है कि इस बार उनका पूरी तरह सफाया होने वाला है। बीजेपी को न केवल हार का सामना करना पड़ेगा, बल्कि उत्तर प्रदेश की जनता इस पार्टी को राज्य से हमेशा के लिए खत्म कर देगी। अखिलेश यादव ने कहा कि आपने 2024 के चुनावों के नतीजे देख लिए हैं। 2027 में, हमारा फोकस पीडीए, सामाजिक न्याय और सच्चाई पर होगा।

8 एमएलसी सीटों पर वोटिंग आज

● सीएम सम्राट के लिए सबसे बड़ा लिटमस टेस्ट ● आरा-बांकीपुर में हार के बाद प्रतिष्ठा है दांव पर

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के सामने एक नई और बड़ी चुनावी परीक्षा आ खड़ी हुई है। राज्य में सम्राट चौधरी के नेतृत्व में आने के बाद भाजपा को हालिया चुनावों में लगातार दो करारे झटके लगे हैं। आरा विधान परिषद चुनाव में मुख्य विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल ने परचम लहराया। वहीं, बांकीपुर उपचुनाव में प्रशांत किशोर ने भाजपा प्रत्याशी को हराकर बड़ा उलटफेर कर दिया। इन दो लगातार पराजयों के बाद अब राज्य की 8 एमएलसी सीटों पर मतदान शुक्रवार को होना है। ऐसे में ये चुनाव सम्राट चौधरी के राजनीतिक प्रभाव और चुनावी रणनीति के लिए बेहद निर्णायक माना जा रहा है। हाल के स्थानीय और उपचुनावों में भाजपा को अपने पारंपरिक प्रभाव वाले क्षेत्रों में भी हार का स्वाद चखना पड़ा है। आरा एमएलसी सीट पर जहां राजद ने सफलता पाई, वहीं बांकीपुर उपचुनाव में जन सुराज पार्टी के चीफ और उम्मीदवार प्रशांत किशोर ने जीत दर्ज करके भाजपा के पारंपरिक गणित को ध्वस्त कर दिया। बांकीपुर की हार को भाजपा के लिए बड़ा सेटबैक माना गया था। इस बार एमएलसी चुनाव में प्रशांत किशोर की एंट्री ने गुमनाम चुनाव को हाई प्रोफाइल बना दिया है। दो प्रमुख सीटों पर मिली पराजय के बाद अब प्रदेश की नजरें कल होने वाले 8 एमएलसी सीटों के चुनाव पर टिकी हुई हैं। स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में होने वाले इस चुनाव के नतीजे राज्य की भावी राजनीति और सत्ता पक्ष के जमीनी जनाधार की असल तस्वीर साफ करेंगे। बिहार विधान परिषद में कुल 6 स्नातक और 6 शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र हैं, जिनमें 4-4 सीटों पर मतदान है। पटना (स्नातक और शिक्षक), तिरहुत (स्नातक और शिक्षक), दरभंगा (स्नातक और शिक्षक) और कोसी (स्नातक और शिक्षक) सीट शामिल है। ये भले ही आठ सीटों का चुनाव है लेकिन इसका असर कुल 30 जिलों में दिखेगा क्योंकि राज्य के 38 में से 30 जिलों में फैलाव है। लगातार दो चुनावों में पार्टी के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भाजपा नेतृत्व पर दबाव काफी बढ़ गया है। कल होने वाले 8 एमएलसी सीटों के मतदान और फिर उसके बाद परिणाम ये तय करेंगे कि सम्राट चौधरी एनडीए के वोट बैंक को एकजुट रखने, सहयोगियों में तालमेल बिठाने और कार्यकर्ताओं का भरोसा कायम रखने में कितने सफल हो पाते हैं।



संपादकीय

पारदर्शिता और नैतिकता की कसौटी

एपस्टीन फाइल को लेकर पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी के एक फोटो ने सनसनी फैला दी है। अमेरिका के कानून मंत्रालय द्वारा जारी की गई इस तस्वीर ने भारतीय राजनीति में उथल–पुथल पैदा कर दी है इसके बाद सरकार पर विपक्ष के आक्रामक तेवर नजर आने लगे हैं। केंद्र सरकार के लिए अब इस विषय पर जवाब देना भारी पड़ रहा है तो वही हार्दिक पुरी के पेट्रोलियम मंत्री बने और उनकी योग्यता पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से संबंधित दस्तावेजों और हाल में सामने आई तस्वीरों को लेकर हरदीप सिंह पुरी पर विपक्ष ने सवाल उठाए हैं। अक्टूबर 2026 में जारी तस्वीरों के बाद यह विवाद एक बार फिर तेज हुआ है। विपक्षी नेताओं ने उनकी मुलाकातों के संदर्भ और उद्देश्य पर स्पष्टीकरण मांगा है। दूसरी ओर, पुरी पहले स्पष्ट कर चुके हैं कि एपस्टीन से उनकी मुलाकातें पेशेवर परिस्थितियों में हुई थीं और उनका एपस्टीन के आपराधिक कृत्यों से कोई संबंध नहीं था। लोकतंत्र में जनप्रतिनिधियों और मंत्रियों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने सार्वजनिक आचरण को लेकर उठने वाले गंभीर सवालों का तथ्यात्मक उत्तर दें। किसी अंतरराष्ट्रीय विवाद से जुड़े व्यक्ति के साथ संपर्क का उल्लेख सामने आने पर यह जानना स्वाभाविक है कि मुलाकात कब हुई, किस उद्देश्य से हुई और उसका संदर्भ क्या था। इस प्रकरण ने सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच राजनीतिक टकराव को भी तेज किया है। विपक्षी दलों ने पुरी के पुराने बयानों और सामने आई तस्वीरों के संदर्भ में स्पष्टीकरण की मांग की है। कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी नेताओं ने इस मुद्दे को सरकार की जवाबदेही से जोड़ते हुए सवाल उठाए हैं। पुरी ने पहले अपने विरुद्ध लगाए गए आरोपों को खारिज करते हुए मुलाकातों को पेशेवर बताया था। जब किसी केंद्रीय मंत्री से जुड़ा विवाद राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आता है, तो उसका प्रभाव संबंधित व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता। सरकार की प्रतिक्रिया, उसके द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी और जांच या समीक्षा की पारदर्शिता भी सार्वजनिक विश्वास को प्रभावित कर सकती है। अभी तक हरदीप पुरी के विरुद्ध आपत्तिजनक या आपराधिक संलिप्तता सामने नहीं आई।

सरकार की विश्वसनीयता केवल इस बात से नहीं बनती कि वह अपने मंत्री का समर्थन करती है या नहीं। वह इस बात से भी बनती है कि गंभीर सार्वजनिक सवालों के उत्तर कितने स्पष्ट, प्रमाण–आधारित और जांच योग्य हैं। यह घटनाक्रम एक व्यापक प्रश्न अवश्य उठाता है कि राजनीतिक दल अपने वरिष्ठ नेताओं के संबंध में निर्णय लेते समय किन मानदंडों को महत्व देते हैं। क्या निर्णय संगठनात्मक समीकरणों, राजनीतिक रणनीति, सार्वजनिक छवि या अन्य कारणों से लिए जाते हैं? जब तक संबंधित दल कारण स्पष्ट न करे, तब तक किसी एक कारण को अंतिम सत्य मानना अटकल ही होगी। सार्वजनिक पद पर बैठे लोगों को अपने आचरण से जुड़े गंभीर और तथ्याधारित सवालों का जवाब देने के लिए तैयार रहना चाहिए।

वहीं दूसरी ओर विपक्ष को जवाबदेही की मांग करते समय आरोपों और प्रमाणों के बीच स्पष्ट अंतर बनाए रखना चाहिए।हरदीप सिंह पुरी से जुड़ा विवाद भारतीय राजनीति को यह याद दिलाता है कि लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष, दोनों की जवाबदेही आवश्यक है। मंत्री के विरुद्ध उठाए गए सवालों का समाधान राजनीतिक बयानबाजी से नहीं, बल्कि स्पष्ट तथ्यों, विश्वसनीय प्रमाणों और जिम्मेदार सार्वजनिक संवाद से होना चाहिए। हालांकि सरकार अब इस प्रकरण से बचने वाली नहीं है और पूरे देश की नजर अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर है कि वह इस संबंध में सरकार का क्या पक्ष रखते हैं निश्चित तौर पर सरकार को इस प्रकरण में जनता की कसौटीइयों पर खराब उतरना होगा अन्यथा या प्रकरण देश की राजनीति में एक बड़े परिवर्तन के संकेत भी दे सकता है।

चुनौतियों के बावजूद बढ़ती हिंदी



उमेश चतुर्वेदी

बांग्ला संस्कृति का मूल स्वर सहिष्णुता, उदारता और समन्वय का रहा है। उन्नीसवीं सदी में बंगाल की धरती ने नवजागरण का स्वागत किया, जिसके मूल में ईश्वरचंद्र विद्यासागर और स्वामी विवेकानंद के विचार रहे। इस समन्वय की संस्कृति का ही असर रहा कि बंगाल की ही धरती से ना सिर्फ हिंदी पत्रकारिता का उद्भव हुआ, बल्कि उसकी जड़ें मजबूत भी हुईं। लेकिन वही बंगाल बदल गया है। बांग्ला संस्कृति समन्वय के सूत्रों को कहीं पीछे छोड़ती नजर आने लगी है। अगर ऐसा नहीं होता तो कोलकाता नगर निगम के उस पोस्टर पर विवाद नहीं होता, जिसमें बांग्ला और हिंदी भाषा के शब्दों का अनूठा और कलात्मक संगम था। बांग्ला संस्कृति के प्रतीक पर्व दुर्गा पूजा के दौर में भाषायी सौंदर्य और कला के अनूठे मेल पर राजनीति ने जब सवाल उठाया तो कोलकाता नगर निगम ने अपना पोस्टर ही वापस ले लिया। शायद निगम ने सोचा होगा कि उत्साह और उल्लास का स्वाद राजनीतिक कंकड़ से खराब ना हो।

जिस पोस्टर पर विवाद हुआ, उसके बारे में जानना जरूरी है। यह भी जानना जरूरी है कि आखिर उसमें क्या रहा, जिससे पश्चिम बंगाल का विपक्षी दल तृणमूल कांग्रेस परेशान हो गया। दरअसल दुर्गा पूजा के दौरान दस से 21 अक्टूबर तक कोलकाता नगर निगम ने देश की पूर्व राजधानी वाले शहर में चलाए जा रहे सफाई अभियान के लिए एक विशेष पोस्टर जारी किया था। जिसमें लिखा था, %मायेर कोरबो स्वच्छता से स्वागत% यानी मां दुर्गा का स्वागत स्वच्छता से करेंगे। जैसा कि शब्दों से पता चलता है, पोस्टर के अकेले वाक्य में बांग्ला और हिंदी शब्दों का अनूठा मेल पेश किया गया। विज्ञापन के भाषा की जिन्हें समझ है, उन्हें पता है कि बांग्ला और हिंदी के इस अनूठे मेल के जरिए जो संदेश दिया गया, वह कितना प्रभावी रहा। लेकिन तृणमूल कांग्रेस को इस वाक्य के तीन शब्द 'स्वच्छता से स्वागत' बंगाल में हिंदी थोपने का षडयंत्र नजर आने लगा। वैसे भी राज्य में अब भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। भाजपा की पहचान हिंदुत्व और हिंदी को लेकर रही है। इसलिए तृणमूल के लिए यह आरोप लगाना और उसे भाजपा के हिंदी वर्चस्ववाद के छद्म नैरेटिव से जोड़ना आसान रहा। लेकिन कोलकाता नगर निगम ने राजनीति से किनारा करना उचित समझा और इसे बदलने में उसने देर नहीं लगाई। पोस्टर के वाक्य को पूरी तरह बांग्ला कर दिया, %स्वच्छतार साथे, मां के स्वागत जनाई% कर दिया। बांग्ला के इस वाक्य का भाव वही है, जो पहले वाक्य का रहा। अफसोस यह कि राजनीति की वजह से भाषाई मेल का अनूठापन गायब हो गया।

संविधान सभा में हिंदी को जितनी चुनौतियों का सामना नहीं करना पड़ा, उससे ज्यादा हिंदी इन दिनों वह चुनौतियों से जूझ रही है। वैसे तो तमिल जैसी क्षेत्रीय राजनीतिक अस्मिताएं हिंदी की राह में रोड़े डालती रही हैं। इसका साथ कभी कर्नाटक तो कभी महाराष्ट्र देता रहा है। यहां गौर करने की बात यह है कि भारतीय राष्ट्रीयता के अंतर्गत कई उपराष्ट्रीयताएं भी हैं, जिसे हम क्षेत्रीय अस्मिताओं के नाम से भी जानते हैं। भारतीय राष्ट्रीयता का मूल स्वर हिंदी के जरिए उद्घाटित होता है। जिसे हम हिंदी हार्टलैंड या हृदय प्रदेश कहते हैं, वहां राष्ट्रीयता पर अपवादस्वरूप ही सवाल उठते हैं। लेकिन उपराष्ट्रीयताएं अक्सर हिंदी पर हमले के बहाने राष्ट्रीयता को प्रकारांतर से चुनौती देती रहती हैं। तब उनका एक मात्र तर्क यही होता है कि हिंदी थोपी जा रही है। दिलचस्प यह है कि जिस भाषा ने करीब दो सौ साल तक देश को गुलाम बनाए रखा, उसे अपनाने में उपराष्ट्रीयताएं गर्व समझती हैं। संविधान सभा की आखिरी बैठक के दिन सभा के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने खुलेतौर पर स्वीकार किया था कि भाषा की समस्या का ठोस हल सभा नहीं निकाल पायी है। फिर भी उन्हें उम्मीद थी कि आने वाले दिनों में भाषा के मुद्दे पर देश गांधी की तरह सोचेगा। हालांकि महावीर प्रसाद त्यागी को ऐसी उम्मीद नहीं थी। इसीलिए उन्होंने अपने आखिरी भाषण में कहा था कि वे संविधान के पृष्ठों पर गांधीजी को खोज रहे हैं, लेकिन उन्हें गांधी नजर नहीं आए। पता नहीं, तृणमूल कांग्रेस को यह पता है या नहीं, लेकिन उसे जानना चाहिए कि आर्य समाज के प्रमुख ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश को हिंदी में लिखने के लिए बांग्ला माटी के सपूत केशवचंद्र सेन ने स्वामी दयानंद सरस्वती को प्रेरित किया था। भावी भारत की संपर्क या राष्ट्रभाषा बनने की क्षमता हिंदी में देखने वाले प्राथमिक लोगों में केशवचंद्र सेन भी रहे। कांग्रेस का अध्यक्ष बनने के बाद बंगाल की माटी के क्रांतिकारी सपूत सुभाष चंद्र बोस ने ना सिर्फ हिंदी सीखने के लिए शिक्षक रखा था, बल्कि उन्होंने कोलकाता नगर निगम के अध्यक्ष के नाते पिछली सदी के तीस के दशक में हिंदी को लेकर अर्थपूर्ण भाषण भी दिया था।

हिंदी पर सवाल कभी-कभी कर्नाटक में भी उठता है और किंचित महाराष्ट्र में भी। लेकिन हिंदी को स्वाधीनता से पहले से ही सबसे बड़ी चुनौती तमिलनाडु में मिलती रही है। हाल ही में तमिलनाडु के करूर और कोयंबटूर के सरकारी अस्पतालों में मरीजों को दी जाने वाली दवाओं के पर्चे के कवर पर तमिल और अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी में भी निर्देश छापे गए थे। जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर जारी करते हुए विपक्षी द्रमुक पार्टी के नेता टी.आर.बी. राजा ने सवाल उठाया कि क्या तमिलनाडु में चुपचाप %तीन-भाषा नीति% लागू की जा चुकी है। हिंदी की ग्रंथि से प्रभावित तमिलनाडु राजनीत सवाल उठाए तो विवाद होना ही था। जब विवाद बढ़ा तो दोनों सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों ने मरीजों को दिए जाने वाले त्रिभाषी कवर का वितरण तत्काल रोक दिया और उसकी जगह तमिल और अंग्रेजी लिखी पर्चियां जारी कर दीं। तमिलनाडु में हाल ही में राजमार्ग के साइनबोर्ड पर हिंदी लिखे जाने को लेकर भी विवाद खड़ा किया गया।

क्या यह सरकार की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय करने का समय है?



डॉ योगेन्द्र श्रीवास्तव

फिलहाल सिर्फ भारत में नहीं सारी दुनिया में सरकारों के खिलाफ आम आदमी का असंतोष सड़कों पर दिखाई दे रहा है। सबसे ज्यादा उथल पुथल दक्षिण पश्चिमी यूरोप में हो रही है जहां फ्रांस, स्पेन, पुर्तगाल, बेल्जियम, इटली, अल्बानिया आदि में अलग अलग मुद्दों पर प्रदर्शन चल रहे हैं। अगर फ्रांस और इटली में स्कूलों की बदहाली से नाराजगी है तो स्पेन और पुर्तगाल के नागरिक बढ़ते मकान किराये और महँगाई से त्रस्त हैं। अल्बानिया मंत भ्रष्टाचार के खिलाफ जन आक्रोश उमड़ रहा है और बेल्जियम में नागरिक सुविधाओं में बजट कटौती का विरोध हो रहा है। इंग्लैण्ड में पहले से ही अवैध आप्रवासियों का मुद्दा सरकार के गले की फांस बना हुआ है। उधर अमेरिका की मुश्किलें भी मध्यावधि चुनाव के दौरान उभर कर सामने आई हैं और आम लोग राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के युद्ध प्रेम और टैरिफ मनमानी से पैदा हुई महंगाई से परेशान हैं।

वास्तव में बहुत लम्बे समय से जारी रूस-यूक्रेन, इजरायल-फिलिस्तीन और अमेरिका-ईरान के बीच जारी अंतहीन प्रतीत होने वाले संघर्षों ने सारे विश्व की अर्थव्यवस्था को तहस नहस कर दिया है और अब तो विकसित देश भी इस इस आँच में झुलस रहे हैं। इतिहास गवाह है कि संकट की घड़ी में सरकारों की असल परीक्षा होती है और यह दौर लगभग पूरी दुनिया की परीक्षा ले रहा है। इन सब असंतोष और प्रदर्शनों के बीच जो एक कॉमन फैक्टर है, वह है सरकार की जिम्मेदारी और जवाबदेही की माँग। जिन देशों में यह शिक्षा और नागरिक सुविधाओं में कटौती हुई है जिसका प्रभाव जनता पर ही पड़ा है। इसीलिए लोग अपने टैक्स के पैसों का सही उपयोग देखना चाहते हैं जिससे आम नागरिकों का जीवन बेहतर हो सके।

भारत में सरकारों से सीधे ऐसी माँग नहीं कि जाती क्योंकि अभी शिक्षा और जागरूकता का स्तर विकसित देशों जितना नहीं है। लेकिन अभाव, असंतोष और असमानता का ये कठिन समय धीरे धीरे जनमानस को आन्दोलित कर रहा है और सवाल पूछने का दौर शुरू हो गया है। यह हम देख ही रहे हैं कि सोशल मीडिया की गहरी पहुँच मुद्दों को बहुत जल्द सर्वव्यापी बना देती है इसलिए हमारी सरकारों को भी इस चुनौती का सामना जल्द ही करना पड़ेगा। देश में विकास का प्रचार जारी है लेकिन जीडीपी, विदेशी मुद्रा भंडार, व्यापार घाटा आदि जैसे जो आर्थिक आंकड़े बढ़ा चढ़ा कर पेश किये जा रहे हैं वे आम आदमी की समझ के बाहर हैं क्योंकि इस सब तथाकथित उपलब्धियों का आम नागरिकों की जिन्दगी पर कोई बेहतर फर्क नहीं पड़ा है। वैसे तो किसी भी नागरिक को यह कानूनी अधिकार नहीं कि वो सरकार से टैक्स के पैसों के बारे में सवाल कर सके। कल्याणकारी राज्य की अवधारणा के चलते कई बार न्यायालय भी यह कह चुके हैं कि सरकार को पूरा अधिकार है कि वह अपने राजस्व और संसाधनों का उपयोग अपनी नीतियों और प्राथमिकताओं के अनुसार कर सके। मगर सरकार की नीतियां कैसी होनी चाहिये, यह महत्वपूर्ण प्रश्न है! आज देश में वोट बैंक के लालच में ऐसी मुफ्तखोरी की योजनाओं की भरमार है जो केन्द्र सरकार के साथ अधिकांश राज्य सरकारों के लिये गले की हड्डी बन चुकी हैं। हालात यह हैं कि सरकारें कर्ज लेकर इस योजनाओं को किसी तरह चलाने पर मजबूर हैं। एक नजरिये से लोक कल्याण के लिये ऐसी नीति का पालन करना उचित है लेकिन यदि सरकार केवल चुनावी लाभ के लिये करे तब यह निस्संदेह अनुचित है। बार बार यह सवाल भी उठाया जाता है कि सरकारी खजाने से ये मुफ्तखोरी कब तक चल पाएगी और इसका देश की अर्थव्यवस्था पर क्या दुष्प्रभाव पड़ेगा। और यह भी कि ऐसी मुफ्तखोरी से किस तरह का समाज तैयार किया जा रहा है।

जन-केंद्रित विकास से वैश्विक सहयोग की नई दिशा तय करेगा 12वाँ ब्रिक्स संसदीय मंच

आबादी तेजी से बुढ़ापे की ओर

मूडीज का जनसंख्या विमर्श इस लिहाज से उपयोगी है कि इससे फिर ध्यान इस ओर गया है, लेकिन यह एकांगी है क्योंकि मूडीज ने विकसित देशों की कसौटियां भारत पर लागू करने की कोशिश की हैं क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने भारत की जनसंख्या संचरना में आ रहे बदलाव का उपयोगी, लेकिन एकांगी विश्लेषण प्रस्तुत किया है। यह उपयोगी इस लिहाज से है कि इससे फिर देश का ध्यान इस रुझान की तरफ गया है, लेकिन यह एकांगी है क्योंकि मूडीज ने सुझाव देते वक्त विकसित देशों की कसौटी भारत पर लागू करने की कोशिश की है। उसने ध्यान दिलाया है कि भारत की प्रजनन दर अब अपेक्षित प्रतिस्थापन स्तर (2.1) से नीचे गिर चुकी है। इस कारण आने वाले दशकों में भारत की आबादी तेजी से बुढ़ापे की ओर बढ़ेगी। फिलहाल आबादी अपेक्षाकृत युवा है, लेकिन देश के जनसांख्यिकीय ढांचे में बदलाव शुरू हो चुका है। इस तरह भारत अब उसी रास्ते पर है, जिस पर यूरोप और पूर्वी एशिया के देश पहले पहुंच चुके हैं।

बहरहाल, इसके बाद मूडीज ने जो कहा है, वे घिसी–पिटी बातें हैं। मसलन, उसके मुताबिक आबादी के उम्रदराज होने से कामकाजी लोगों की संख्या में वृद्धि दर धीमी होगी, जिससे कुल आर्थिक विकास प्रभावित हो सकता है। कम कामकाजी लोगों पर अधिक संख्या में रिटायर्ड हो चुके बुजुर्गों को संभालने का बोझ बढ़ेगा, जिससे सरकारी खजाने, पेंशन प्रणाली, और स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव बहुत ज्यादा बढ़ जाएगा। उधर उपभोक्ता बाजार में मांग घटने की समस्या आएगी। लोगों के बूढ़े होने से देश में बचत, निवेश, और वित्तीय बाजारों के ढांचे में बड़ा बदलाव आएगा। मगर ये बातें उन देशों में अधिक प्रासंगिक मालूम पड़ेंगी, जो अपनी श्रम शक्ति का पूरा उपयोग कर पा रहे हों। साथ ही जहां सामाजिक सुरक्षा का दुरुस्त इंतजाम हो।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

भारत की अध्यक्षता में 26-27 अक्तूबर को नई दिल्ली में जुटेंगे वैश्विक संसदीय नेता; संस्थागत सुदृढ़ता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल परिवर्तन, वैश्विक शासन सुधार और सतत विकास पर होगा महामंथन...

नई दिल्ली।वैश्विक राजनीति, आर्थिक सहयोग और तकनीकी परिवर्तन के मौजूदा दौर में संसदों की भूमिका केवल कानून बनाने तक सीमित नहीं रह गई है। लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती, नागरिकों की आकांक्षाओं की पूर्ति, विकास की प्रक्रिया में जनभागीदारी और अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के समाधान में संसदीय संवाद का महत्व लगातार बढ़ रहा है। ऐसे समय में भारत की अध्यक्षता में 26 और 27 अक्तूबर 2026 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाला 12वाँ ब्रिक्स संसदीय मंच विशेष महत्व रखता है। संसद भवन परिसर स्थित संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित इस सम्मेलन में ब्रिक्स सदस्य देशों और भागीदार देशों के संसदीय नेता जन-केंद्रित विकास के लिए संसदों को सशक्त बनाने के विषय पर विचार-विमर्श करेंगे। सम्मेलन का उद्घाटन 26 अक्तूबर को होगा और इसका समापन 27 अक्तूबर को किया जाएगा।लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 22 अक्तूबर को संसद भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में सम्मेलन की रूपरेखा और प्रमुख विषयों की जानकारी देते हुए इसे भारत के संसदीय राजनय के इतिहास में एक नया अध्याय बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे और आगंतुक शिष्टमंडलों के नेताओं से भेंट करेंगे। सम्मेलन में विभिन्न देशों के पीठासीन अधिकारियों, संसदीय नेताओं, संसद सदस्यों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की भागीदारी से लोकतांत्रिक संस्थाओं के बीच संवाद को नई गति मिलने की उम्मीद है। इसमें केंद्रीय मंत्रियों, राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश तथा राज्य विधानमंडलों के पीठासीन अधिकारियों की सहभागिता भी प्रस्तावित है।ब्रिक्स संसदीय मंच का महत्व इस तथ्य में निहित है कि यह विभिन्न देशों की संसदों को साझा चुनौतियों पर विचार करने, अनुभवों का आदान-प्रदान करने और सहयोग की संभावनाएँ तलाशने का अवसर प्रदान करता है। भारत की मेजबानी में होने वाला यह सम्मेलन ऐसे समय आयोजित किया जा रहा है, जब दुनिया तकनीकी क्रांति, आर्थिक अनिश्चितताओं, पर्यावरणीय चुनौतियों और वैश्विक शासन व्यवस्था को अधिक प्रतिनिधिक बनाने की आवश्यकता जैसे अनेक प्रश्नों से जूझ रही है। इन परिस्थितियों में संसदों के बीच नियमित संवाद केवल औपचारिक कूटनीति का हिस्सा नहीं, बल्कि जनहित से जुड़े मुद्दों पर साझा दृष्टिकोण विकसित करने का माध्यम भी बन सकता है।

जन-केंद्रित विकास सम्मेलन का मूल आधार ->12वें ब्रिक्स संसदीय मंच का मुख्य विषय 'जन-केंद्रित विकास के लिए संसदों को सशक्त बनाना' अपने आप में व्यापक अर्थ रखता है। विकास का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होता है, जब उसका लाभ समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुँचे और नागरिकों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे। आर्थिक प्रगति के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, डिजिटल सुविधाओं और समान अवसरों की उपलब्धता भी विकास की कसौटी है। इस प्रक्रिया में संसदों की जिम्मेदारी नीतियों पर विचार-विमर्श करने, कानून बनाने, सरकारों की जवाबदेही सुनिश्चित करने और जनहित के प्रश्नों को लोकतांत्रिक विमर्श के केंद्र में रखने की है।

संसद जनता की आकांक्षाओं और शासन व्यवस्था के बीच महत्वपूर्ण सेतु होती है। विभिन्न देशों की सामाजिक, आर्थिक



और राजनीतिक परिस्थितियाँ अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने की आकांक्षा एक साझा उद्देश्य है। इसलिए संसदीय मंच पर जन-केंद्रित विकास के विषय पर होने वाली चर्चा का महत्व केवल सदस्य देशों तक सीमित नहीं रहेगा। इसके माध्यम से यह समझने का अवसर मिलेगा कि बदलती परिस्थितियों में संसदें किस प्रकार अपनी संस्थागत क्षमता, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को अधिक प्रभावी बना सकती हैं।

संस्थागत सुदृढ़ता से लोकतंत्र को मिलेगी मजबूती ->सम्मेलन के पहले उच्चस्तरीय सत्र में बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने के लिए संस्थाओं को सुदृढ़ बनाने में संसदों की भूमिका पर विचार किया जाएगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता उसके संस्थागत ढाँचे, नियमों के पालन, जवाबदेही और नागरिकों के विश्वास पर निर्भर करती है। किसी भी लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है कि उसकी संस्थाएँ बदलती चुनौतियों के बीच अपनी जिम्मेदारियों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करें।

संसदों के सामने आज नीतिगत जटिलताओं, तेजी से बदलते सामाजिक परिवेश और नागरिकों की बढ़ती अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करने की चुनौती है। ऐसी स्थिति में संसदीय प्रक्रियाओं की गुणवत्ता, जनप्रतिनिधियों की क्षमता और लोकतांत्रिक संवाद को मजबूत बनाना महत्वपूर्ण हो जाता है। विभिन्न देशों के अनुभवों का आदान-प्रदान इन चुनौतियों से निपटने के व्यावहारिक उपाय तलाशने में सहायक हो सकता है। संस्थागत सुदृढ़ता का वास्तविक उद्देश्य केवल व्यवस्थागत सुधार नहीं, बल्कि नागरिकों के प्रति जवाबदेही और जनविश्वास को मजबूत करना भी है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल परिवर्तन पर विशेष ध्यान

12वें ब्रिक्स संसदीय मंच का दूसरा प्रमुख सत्र नवाचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल प्रौद्योगिकियों के मानव-केंद्रित उपयोग पर केंद्रित होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीक ने शासन, संचार, सूचना के आदान-प्रदान तथा सार्वजनिक सेवाओं के स्वरूप में परिवर्तन की व्यापक संभावनाएँ पैदा की हैं। इन तकनीकों का उपयोग प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाने, सूचनाओं तक पहुँच बढ़ाने और नागरिकों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।हालाँकि, तकनीकी प्रगति के साथ डेटा की सुरक्षा, निजता, पारदर्शिता, जवाबदेही और तकनीक के जिम्मेदार उपयोग से जुड़े प्रश्न भी सामने आते हैं। संसदों की भूमिका इन अवसरों और चुनौतियों के बीच संतुलन स्थापित करने में महत्वपूर्ण है। कानून और नीतियाँ ऐसी होनी चाहिए, जो नवाचार को प्रोत्साहित करने के साथ नागरिकों के अधिकारों तथा सार्वजनिक हितों की रक्षा भी करें।भारत में डिजिटल परिवर्तन के बढ़ते महत्व को देखते हुए इस विषय पर अंतरराष्ट्रीय संसदीय विमर्श विशेष प्रासंगिकता रखता है। अलग-अलग देशों के अनुभवों से यह समझने में मदद मिल सकती है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग किस प्रकार जनहित में किया जाए और तकनीकी विकास के लाभ व्यापक समाज तक कैसे पहुँचाए जाएँ। मानव-केंद्रित नवाचार का आशय यही है कि तकनीक का मूल्यांकन केवल उसकी क्षमता से नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन में उसके वास्तविक योगदान से भी किया जाए।

वैश्विक शासन व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता ->सम्मेलन के तीसरे सत्र में संसदीय सहयोग के माध्यम से अधिक प्रतिनिधिक वैश्विक शासन व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विचार किया जाएगा। वर्तमान विश्व व्यवस्था में अनेक ऐसे विषय हैं, जिनका प्रभाव किसी एक देश तक सीमित नहीं रहता। आर्थिक सहयोग, तकनीकी बदलाव, पर्यावरणीय संकट और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की कार्यक्षमता जैसे प्रश्नों पर व्यापक संवाद की आवश्यकता है। ऐसे विषयों पर किसी एक देश के प्रयासों के साथ-साथ देशों के बीच सहयोग भी महत्वपूर्ण होता है।वैश्विक शासन व्यवस्था को अधिक प्रतिनिधिक बनाने का प्रश्न इस बात से जुड़ा है कि अंतरराष्ट्रीय निर्णय प्रक्रिया में विभिन्न देशों की आवाज और उनके हितों को किस प्रकार प्रभावी स्थान मिले। ब्रिक्स जैसे बहुपक्षीय मंच इस संदर्भ में विचारों के आदान-प्रदान और साझा प्राथमिकताओं की पहचान के अवसर उपलब्ध कराते हैं। संसदों के बीच सहयोग से अंतरराष्ट्रीय विषयों को लोकतांत्रिक दृष्टिकोण से समझने और नीतिगत विमर्श को व्यापक बनाने में सहायता मिल सकती है।

भारत की अध्यक्षता में आयोजित सम्मेलन इस बात पर विचार करने का अवसर देगा कि संसदीय कूटनीति वैश्विक संस्थाओं के सुधार, संवाद और सहयोग को आगे बढ़ाने में किस प्रकार योगदान कर सकती है। इसके परिणामों का महत्व केवल बैठकों तक सीमित न रहकर साझा दृष्टिकोण और भविष्य के सहयोग की दिशा तय करने में भी निहित होगा।

सतत और समावेशी विकास पर साझा दृष्टिकोण ->चौथा उच्चस्तरीय सत्र सतत एवं समावेशी भविष्य के निर्माण में संसदों की भूमिका पर केंद्रित रहेगा। विकास की निरंतरता के लिए आर्थिक प्रगति के साथ सामाजिक समावेशन और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के बीच संतुलन आवश्यक है। आज लिए जाने वाले नीतिगत निर्णयों का प्रभाव आने वाली पीढ़ियों पर भी पड़ता है। इसलिए विकास की ऐसी अवधारणा को महत्व देना आवश्यक है, जिसमें वर्तमान आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ भविष्य की जरूरतों का भी ध्यान रखा जाए।संसदें बजट, विकास योजनाओं, कानूनों और सार्वजनिक नीतियों पर विचार-विमर्श के माध्यम से इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विभिन्न देशों की परिस्थितियाँ भिन्न होने के बावजूद सतत विकास, समावेशी अवसर और नागरिक कल्याण जैसे विषय साझा महत्व रखते हैं। इस सत्र में होने वाला संवाद अनुभवों के आदान-प्रदान तथा नीतिगत प्राथमिकताओं को समझने का अवसर प्रदान करेगा।

संसदीय कूटनीति और क्षमता निर्माण को मिलेगा प्रोत्साहन

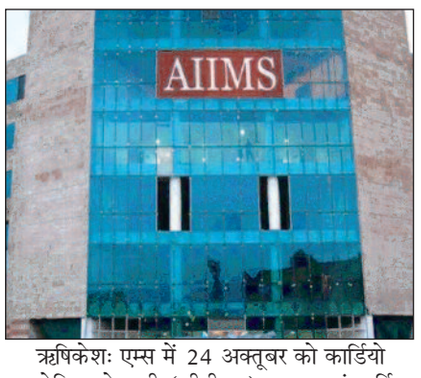
सम्मेलन की एक महत्वपूर्ण विशेषता ब्रिक्स सदस्य देशों और भागीदार देशों की संसदों की अंतरराष्ट्रीय मामलों से संबंधित समितियों के अध्यक्षों की विशेष बैठक होगी। इस बैठक में संसदीय कूटनीति, क्षमता निर्माण और सर्वोत्तम संसदीय प्रथाओं के आदान-प्रदान पर चर्चा की जाएगी। इससे संसदीय संस्थाओं के बीच व्यावहारिक सहयोग और अनुभव साझा करने की संभावनाओं को आगे बढ़ाने का अवसर मिलेगा।लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला के अनुसार, सम्मेलन के दौरान उच्चस्तरीय पूर्ण सत्रों, समानांतर बैठकों और द्विपक्षीय संवाद के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। भारत के उपराष्ट्रपति गणमान्य अतिथियों के सम्मान में भोज का आयोजन करेंगे। विदेशी शिष्टमंडलों के सदस्य भारतीय संसद का दौरा करने के साथ दिल्ली के सांस्कृतिक स्थलों का भ्रमण भी करेंगे। इस प्रकार सम्मेलन में औपचारिक विचार-विमर्श के साथ भारत की संसदीय परंपरा और सांस्कृतिक विरासत से परिचित होने का अवसर भी मिलेगा।सम्मेलन के संयुक्त वक्तव्य को अंतिम रूप देने के लिए 25 अक्तूबर 2026 को शिष्टमंडलों के सचिवों की बैठक आयोजित की जाएगी। संयुक्त वक्तव्य के माध्यम से विचार-विमर्श के प्रमुख बिंदुओं और साझा प्राथमिकताओं को सहमति-आधारित स्वरूप देने का प्रयास किया जाएगा।

भारत की मेजबानी का व्यापक महत्व ->

12वाँ ब्रिक्स संसदीय मंच भारत के लिए अपनी संसदीय परंपराओं, लोकतांत्रिक अनुभवों और बहुपक्षीय संवाद के प्रति प्रतिबद्धता को सामने रखने का महत्वपूर्ण अवसर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति और विभिन्न देशों के संसदीय नेताओं के साथ उनकी प्रस्तावित मुलाकातें सम्मेलन को राजनीतिक एवं कूटनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण बनाती हैं। फिर भी इस आयोजन की वास्तविक सफलता का आकलन केवल भागीदारी या औपचारिक बैठकों से नहीं, बल्कि विचार-विमर्श की गुणवत्ता, साझा प्राथमिकताओं और भविष्य में सहयोग को आगे बढ़ाने की क्षमता से किया जाएगा।भारत की अध्यक्षता में आयोजित यह सम्मेलन इस व्यापक विचार को रेखांकित करता है कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती, तकनीकी नवाचार का जिम्मेदार उपयोग और समावेशी विकास एक-दूसरे से जुड़े हुए विषय हैं। यदि संसदीय संवाद से इन क्षेत्रों में बेहतर समझ और व्यावहारिक सहयोग के अवसर विकसित होते हैं, तो इसका लाभ सदस्य एवं भागीदार देशों के नागरिकों तक पहुँचाने की संभावनाएँ भी बढ़ेंगी।

नई दिल्ली के संविधान सदन में 26 और 27 अक्तूबर को होने वाला यह सम्मेलन वैश्विक संसदीय सहयोग को नई दिशा देने का अवसर है। जन-केंद्रित विकास को केंद्र में रखकर होने वाला मंथन इस बात को रेखांकित करेगा कि संसदों की प्रभावशीलता का अंतिम उद्देश्य नागरिकों के हितों की रक्षा, लोकतांत्रिक जव

एम्स में 24 को जुटेंगे देशभर के चिकित्सा विशेषज्ञ



ऋषिकेशः एम्स में 24 अक्तूबर को कार्डियो डायबेटिक सोसाइटी (सीडीएस) का सातवां वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। संस्थान के इंटरनल मेडिसिन विभाग की पहल पर होने वाले इस सम्मेलन में देशभर के 16 से अधिक स्वास्थ्य संस्थानों और मेडिकल कॉलेजों के विशेषज्ञ शामिल होंगे। सम्मेलन में मधुमेह, हृदय रोग, गुर्दे की बीमारी और मोटापे जैसी आपस में जुड़ी बीमारियों के समग्र उपचार पर चर्चा की जाएगी।

आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं एम्स के मेडिसिन विभागाध्यक्ष प्रो. रविकांत ने बताया कि इन बीमारियों के बेहतर उपचार के लिए अलग-अलग दृष्टिकोण के बजाय एकीकृत चिकित्सा पद्धति अपनाना जरूरी है। सम्मेलन में विशेषज्ञ अपने अनुभव और उपचार की नवीन तकनीकों को साझा करेंगे, जिससे मरीजों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। इसमें देश के उत्तर, मध्य, पूर्व और दक्षिणी क्षेत्रों के चिकित्सा संस्थानों के विशेषज्ञ भाग लेंगे। सम्मेलन से एक दिन पहले प्री-कॉन्फ्रेंस के तहत मरीजों के बेड के पास अल्ट्रासाउंड जांच की व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जाएगी। प्रो. रविकांत के अनुसार, कार्डियो-डायबिटिक सोसाइटी हृदय रोगों और मधुमेह से संबंधित विकारों की समय पर पहचान और उपचार को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रही है। सम्मेलन का उद्देश्य विशेषज्ञों के बीच ज्ञान और अनुभव साझा कर उपचार को अधिक प्रभावी बनाना और मरीजों की जीवन गुणवत्ता में सुधार करना है।

पंवाली कांठा समेत बुग्यालों में मोनाल, सांभर समेत कई वन्यजीवों के साक्ष्य मिले

रुद्रप्रयाग। बुग्यालों के संरक्षण और जैव विविधता संवर्धन के लिए रुद्रप्रयाग वन प्रभाग ने पंवाली कांठा समेत उच्च हिमालयी बुग्यालों में 18 से 21 अक्तूबर तक विशेष गश्ती अभियान चलाया। इस दौरान यहां मोनाल, सांभर और भालू समेत कई वन्यजीवों की मौजूदगी के साक्ष्य मिले।

प्रभागीय वनाधिकारी विनीत कुमार के नेतृत्व में 10 सदस्यीय टीम ने तीन दिनों में करीब 60 किमी गश्त कर उच्च हिमालयी क्षेत्रों का निरीक्षण किया। टीम ने उत्तरी जखोली रेंज के पंवाली कांठा, माटिया और राजखरक बुग्याल के साथ धारकुड़ी, लस्तरगाड़ और बधानी क्षेत्र का जायजा लिया। इस दौरान बुग्याल संरक्षण कार्यों की प्रगति, प्राकृतिक वनस्पतियों और वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों की स्थिति का आकलन किया। प्रभागीय वनाधिकारी विनीत कुमार ने बताया कि गश्त के दौरान टीम को हिमालयी मोनाल, हिमालयी भालू, लाल लोमड़ी (रेड फॉक्स), गुलदार एवं सांभर सहित विभिन्न वन्यजीवों की उपस्थिति के साक्ष्य मिले हैं जो क्षेत्र की समृद्ध जैव विविधता को दर्शाते हैं।

उच्च हिमालयी बुग्याल जैव विविधता, जल स्रोतों एवं पर्यावरणीय संतुलन के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बताया कि विभाग की ओर से नियमित गश्त, संरक्षण कार्यों की निगरानी तथा वन्यजीव आवासों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है। इस अभियान में उप प्रभागीय वनाधिकारी डॉ. दिवाकर पंत, वन क्षेत्राधिकारी सुरेंद्र सिंह व वन विभाग की टीम ने सहभागिता की।

एक ट्रैक्टर के भरोसे नगर निगम की सफाई व्यवस्था



ऋषिकेश। नगर निगम की सफाई व्यवस्था इन दिनों एक ट्रैक्टर के भरोसे चल रही है। ट्रैक्टरों की कमी के कारण शहर की सड़कों से कूड़ा समय पर नहीं उठ पा रहा है। वहीं, नगर निगम प्रशासन नए ट्रैक्टर खरीदने की योजना भी नहीं बना पा रहा है। हैरानी की बात है कि मौजूदा ट्रैक्टर का तीन साल बाद भी पंजीकरण नहीं हो पाया है। नगर निगम के कर्मचारी बाजारों और संकरी गलियों से कूड़ा एकत्र कर रेलवे रोड पर नीरज भवन के पास, केवलानंद चौक, चंद्रभागा पुल सहित अन्य स्थानों पर रखी ट्रॉलियों में डालते हैं। इसके बाद ट्रैक्टर से कूड़ा गोविंदनगर स्थित ट्रंचिंग ग्राउंड पहुंचाया जाता है। तीन अक्तूबर से पहले कूड़ा गुमानीवाला स्थित कूड़ा निस्तारण प्लांट में भेजा जाता था। एक ही ट्रैक्टर को अलग-अलग स्थानों से ट्रॉलियां खींचकर कूड़ा घर तक ले जाना पड़ता है और फिर वापस आकर दूसरी ट्रॉली उठानी पड़ती है। इससे समय अधिक लगता है और कूड़ा उठाने की प्रक्रिया प्रभावित होती है। सफाई कर्मचारियों का कहना है कि व्यवस्था सुचारु रखने के लिए कम से कम दो ट्रैक्टरों की आवश्यकता है।

त्योहारों पर मिठाइयों में मिलावट का खतरा, खाद्य सुरक्षा विभाग का जांच अभियान ठप



ढालवाला। दीपावली और भैयादूज नजदीक आते ही बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। लोग खरीदारी और घरों की साफ-सफाई में जुटे हैं, वहीं मिठाई की दुकानों पर भी भीड़ बढ़ रही है। इसके बावजूद खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से सैंपलिंग और जांच अभियान शुरू नहीं होने से मिलावट का खतरा बना हुआ है।

त्योहारी सीजन में मिठाई, मावे, दूध और पनीर की मांग बढ़ने के साथ मिलावट की आशंका भी बढ़ जाती है। मांग पूरी करने के लिए बाहरी राज्यों से कम गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थों की आपूर्ति और मिठाइयों में प्रतिबंधित रंगों व केमिकल के इस्तेमाल की आशंका रहती है। वहीं, कुछ दुकानों पर खुले में धूल और मक्खियों के बीच मिठाइयां रखे जाने से भी खाद्य सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं।

स्थानीय नागरिकों, व्यापार मंडल के प्रतिनिधियों और जागरूक उपभोक्ताओं का कहना है कि त्योहारों से पहले विभाग को सक्रिय होकर दुकानों की जांच और खाद्य पदार्थों के नमूने लेने चाहिए, ताकि मिलावट पर रोक लग सके। उन्होंने विभाग से जल्द अभियान चलाकर उपभोक्ताओं की सेहत सुरक्षित रखने की मांग की है।

चार साल से फरार 50 हजार का इनामी पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार

डोईवाला। कोतवाली पुलिस ने चोरी के आरोप में चार साल से फरार चल रहे 50 हजार के इनामी को पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया है। आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। एसओजी ग्रामीण देहरादून और कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की। बृहस्पतिवार को कोतवाली परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में सीओ वंदना ने बताया कि 12 सितंबर 2022 को नव ज्योति विहार निवासी लाखन सिंह ने शिकायत दर्ज कराई थी कि वह बैंक से पांच लाख रुपये निकालकर घर लौट रहे थे। इस दौरान डोईवाला बाजार में सब्जी खरीदने के लिए ठेली पर रुके। उन्होंने रुपयों से भरा बैग रखा और खरीदारी करने लगे। इसी बीच बैग चोरी हो गया।पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। मामले में मंजीत ग्वाला निवासी जलपाईगुड़ी, पश्चिम बंगाल को गिरफ्तार किया गया था। उसके पास से चोरी की रकम बरामद हुई थी।

सीएम की घोषणा के बाद भी मिनी स्टेडियम को निदेशालय की स्वीकृति का इंतजार

यमकेश्वर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणा के बावजूद गुरु गोरखनाथ महाविद्यालय, बिथ्याणी में मिनी स्टेडियम का निर्माण शुरू नहीं हो पाया है। युवा कल्याण विभाग जुलाई में स्थलीय सर्वे पूरा कर चुका है, लेकिन निदेशालय से स्वीकृति नहीं मिलने के कारण योजना लंबित है। इससे क्षेत्र के युवाओं और खिलाड़ियों को खेल सुविधाओं के लिए इंतजार करना पड़ रहा है।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 7 मई को अपने पैतृक गांव पंचूर में तीन रात्रि और चार दिन का प्रवास किया था। इस दौरान 9 मई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरु गोरखनाथ महाविद्यालय, बिथ्याणी का निरीक्षण किया था। इसी दौरान सीएम धामी ने महाविद्यालय के मौजूदा खेल मैदान को मिनी स्टेडियम के रूप में विकसित करने की घोषणा की थी। महाविद्यालय पंचूर से करीब एक किलोमीटर दूर स्थित है।युवा कल्याण विभाग ने 24 जुलाई को स्थल का सर्वे कराया। इसमें स्टेडियम के लिए 120 गुणा 80 मीटर भूमि की आवश्यकता बताई गई। परिसर में पर्याप्त भूमि उपलब्ध है, हालांकि कुछ हिस्सों में पहाड़ी कटिंग और समतलीकरण करना होगा। अब निदेशालय की स्वीकृति मिलने के बाद ही निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी।

यमकेश्वर का पहला मिनी स्टेडियम होगा

स्टेडियम बनने से यमकेश्वर विधानसभा में खेल सुविधाओं का विस्तार होगा। यहां विकासखंड और विधानसभा स्तर की प्रतियोगिताएं आयोजित करने के साथ एथलेटिक्स ट्रैक और बैडमिंटन कोर्ट जैसी सुविधाएं विकसित होने की उम्मीद है। स्थानीय युवाओं और खेल प्रेमियों ने शासन-प्रशासन से जल्द स्वीकृति दिलाकर निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की है।

पांच किलो डोडा पोश्त बरामद

जौलीग्रांट। पुलिस से भानियावाला में चाय बेचने वाले एक दुकानदार से पांच किलो डोडा पोश्त बरामद किया है। आरोप है कि दुकानदार ट्रक ड्राइवरों को डोडा पोश्त बेचता था। नुन्नावाला, भानियावाला में चौकी पुलिस ने पांच किलो डोडा पोश्त के साथ एक दुकानदार को गिरफ्तार किया है। यह दुकानदार नुन्नावाला, भानियावाला में होटल, ढाबों में रुकने वाले ट्रक ड्राइवरों आदि को डोडा बेचता था। पुलिस ने इस दुकानदार को सर्विस रोड, भानियावाला फ्लाईओवर के पास संदिग्ध व्यक्तियों/ वाहनों की चैकिंग के दौरान डोडा पोस्त के साथ पकड़ा है। आरोपी दुर्गा प्रसाद (45) निवासी ग्राम देबल पट्टी लसिया पो. जखोली रुद्रप्रयाग हाल निवासी नुन्नावाला, भानियावाला को गिरफ्तार किया है।

संक्षिप्त समाचार

एसडीआरएफ को मिला आईएसओ प्रमाणपत्र, मुख्यमंत्री ने दी बधाई

जौलीग्रांट। एसडीआरएफ को आईएसओ 9001:2015 गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली का प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ है। इस उपलब्धि के साथ एसडीआरएफ देश का पहला ऐसा आपदा प्रतिवादन बल बना गया है जिसे यह प्रमाणपत्र मिला है।आपदा की दृष्टि से संवेदनशील उत्तराखंड में भूकंप, भूस्खलन, अतिवृष्टि, बादल फटने, बाढ़, हिमस्खलन और सड़क दुर्घटनाओं जैसी परिस्थितियों में एसडीआरफ की 40 से अधिक टीमें प्रदेशभर में 247 राहत और बचाव कार्यों के लिए अलर्ट रहती हैं। 23 से 25 सितंबर तक हुए दूसरे ऑडिट के बाद एसडीआरएफ को आठ अक्तूबर को यह प्रमाणपत्र मिला है जिसमें बीआईएस के पूर्व वैज्ञानिक और उप महानिदेशक विष्णु गुप्ता ने सेनानायक अर्पण यदुवंशी की उपस्थिति में विभिन्न शाखाओं और कार्यप्रणालियों का निरीक्षण किया। ऑडिट में प्रशासनिक व्यवस्था, प्रशिक्षण, संसाधन प्रबंधन, दस्तावेजीकरण, गुणवत्ता प्रबंधन और एसओपी के अनुपालन का मूल्यांकन किया गया।

आईएसओ प्रमाणन से एसडीआरएफ को कार्यों का मानकीकरण, अभिलेखों का व्यवस्थित रखरखाव, जिम्मेदारियों का निर्धारण और कार्यप्रणाली में निरंतर सुधार सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। इससे प्रशिक्षण, उपकरणों के रखरखाव, संसाधनों के बेहतर उपयोग और रेस्क्यू अभियानों की तैयारियों में सुधार करने के साथ कमियों की पहचान करना भी आसान होगा।

थाईलैंड की मोरिया बनी उत्तराखंड की बहूः दुबई में मिली नजरें

नैनीताल। प्यार की कोई सरहद नहीं होती, यह बात एक बार फिर सच साबित कर दिखाई है बागेश्वर जिले के एक युवक और थाईलैंड की युवती ने। जिले के उडल गांव निवासी नवीन परिहार और थाईलैंड की रहने वाली मोरिया की प्रेम कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट जैसी है। अलग-अलग देशों, संस्कृतियों और भाषाओं की दूरियों को मिटाकर दोनों ने विजयादशमी के पावन अवसर पर कुमाउंनी रीति-रिवाजों के साथ सात फेरे लिए और हमेशा के लिए एक-दूसरे के हो गए।

स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र के नीचे हो रहा भूधंसाव



बसुकेदार। तहसील क्षेत्र के क्यार्क बरसूड़ी स्थित प्राथमिक विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्र के नीचे हो रहे भूधंसाव का एक साल बाद भी कोई स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। अब यह भूधंसाव विद्यालय के खेल मैदान तक पहुंच गया है। इससे विद्यालय भवन और आंगनबाड़ी केंद्र को नुकसान पहुंचने की आशंका बनी है।

विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष कैलाश पंवार व अन्य ग्रामीणों ने बताया कि अगस्त 2025 में इस संबंध में बसुकेदार तहसील मुख्यालय में प्रार्थना पत्र दिया गया था। इसके बाद जिलाधिकारी के निर्देश पर भूगर्भीय जांच भी कराई गई लेकिन अब तक सुरक्षा के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। खंड शिक्षा अधिकारी तनुजा देवराड़ी ने बताया कि उन्हें इस मामले में अभी तक जानकारी नहीं मिली है। शीघ्र इस संबंध में जानकारी जुटाई जाएगी। वहीं ग्रामीणों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो कोई घटना हो सकती है। उन्होंने प्रशासन और संबंधित विभाग से जल्द सुरक्षा के इंतजाम करने की मांग की।

हल्द्वानी में आज बदले रहेंगे यातायात रूट

हल्द्वानी शहर में 23 अक्तूबर को राम राज्याभिषेक शोभायात्रा निकाली जाएगी। इस दौरान शुक्रवार को हल्द्वानी शहर की यातायात व्यवस्था बदली रहेगी। दोपहर एक बजे से शोभायात्रा संपन्न होने तक विभिन्न मार्गों पर वाहनों के लिए रूट डायवर्जन प्लान पुलिस ने जारी कर दिया है।आयोजकों के अनुसार, शोभायात्रा शुक्रवार दोपहर दो बजे रामलीला मैदान से शुरू होकर तिकोनिया जाएगी। उसके बाद वापसी में बरसाती नहर रोड, केमू स्टेशन, रेलवे बाजार, ताज चौराहा, नया बाजार, मीरा मार्ग, मंगल पड़ाव, सिंधी चौराहा होते हुए वापस रामलीला मैदान पहुंचेगी।

यह रहेगी व्यवस्था

रामपुर रोड से आने वाली बसें टीपी नगर तिराहे से डायवर्ट होकर हौंडा शोरूम तिराहा, तीनपानी फ्लाईओवर और गोला बाईपास होते हुए नरीमन तिराहा, काठगोदाम, तिकोनिया चौराहा और वर्कशॉप लाइन से रोडवेज पहुंचेगी। वही बरेली रोड से आने वाली बसें तीनपानी फ्लाईओवर से गोला बाईपास, नारीमन तिराहा, तिकोनिया चौराहा और वर्कशॉप लाइन होकर निकाली जाएंगी।

मेयर बोले चुनाव के चलते कुछ लोग हुंकार भर रहे

ऋषिकेश। गुमानीवाला स्थित कूड़ा निस्तारण प्लांट पर पिछले करीब एक माह से जारी तालाबंदी से नगर निगम प्रशासन के सामने चुनौती खड़ी हो गई है। निगम के प्रयासों के बावजूद ग्रामीण प्लांट को हटाने की मांग पर अड़े हैं। वहीं, नगर निगम का कहना है कि कुछ लोग इस मुद्दे को बेवजह तूल दे रहे हैं।

इससे प्लांट के संचालन और ग्रामीणों के विरोध के बीच गतिरोध बना हुआ है। मेयर शंभू पासवान ने कहा कि प्लांट पर एक महीने से तालाबंदी करना उचित नहीं है, क्योंकि यह मामला केवल नगर निगम तक सीमित नहीं, बल्कि आम जनता से भी जुड़ा है। उन्होंने कहा कि चुनाव नजदीक आने के कारण कुछ लोग इस मुद्दे को उठा रहे हैं।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य विद्युत अभियन्ता/निर्माण, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद निम्नलिखित कार्य के लिए (एकल पैकेट प्रणाली) के अन्तर्गत खुली ई-निविदा आमंत्रित करते हैं-

कार्य का नाम व स्थान	कौरहा स्टेशन पर नए माल गोदाम में बुनियादी ढांचागत सुविधाओं के प्रावधान सहित स्टेशन भवनों, सेवा भवनों, माल गोदाम, परिसंचार क्षेत्र के विद्युतीकरण के लिए सामान्य विद्युत आपूर्ति कार्य, चंदौसी, ज्वालापुर और जंगबहादुर गंज माल गोदामो में बुनियादी ढांचे का उन्नयन/आधुनिकीकरण, अगावानपुर-MB-SRE सेक्शन पर पूरी ट्रेन लोड को समायोजित करने के लिए साइडिंग का विस्तार के लिए सामान्य विद्युत आपूर्ति कार्य, MB-SRE सेक्शन के चोडियाला स्टेशन तथा LKO-MB सेक्शन के दलेलनगर स्टेशन पर दोनों दिशाओं में लंबे लूप सहित स्टेशन भवनों, सेवा भवनों, परिसंचार क्षेत्र के विद्युतीकरण के लिए सामान्य विद्युत आपूर्ति कार्य और उप मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण/मुरादाबाद के अधिकार क्षेत्र में आने वाले किसी भी अन्य स्थल पर सामान्य विद्युत आपूर्ति कार्य।

कार्य पूरा करने की अवधि	कार्य की अनुमानित लागत
12 (बारह) माह	2,69,63,995.77/-

बयाना राशि जो जमा की जानी है	₹5,39,300/- (आनलाइन जमा करें) बोली सुरक्षा या तो ई-पेमेंट गेटवे के माध्यम से नकद में जमा की जाएगी या भारत के किसी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारंटी बांड के रूप में जमा की जाएगी या जैसा कि निविदा दस्तावेजों में उल्लेख किया गया है। बैंक गारंटी बांड अनुबंध-ए (1) के अनुसार होगा और बोली की वैधता अवधि के बाद 90 दिनों की अवधि के लिए वैध होगा।
ई-निविदा जमा करने एवं ई-निविदा खुलने की तिथि व समय	निविदा दिनांक 12.11.2026 समय 15:00 बजे तक आईआरईपीएस की वैबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड कर सकते हैं। निविदाकर्ता ई-निविदा में भाग ले सकते हैं। निविदा दिनांक 12.11.2026 समय 15:00 बजे खोली जाएगी।
निविदा सूचना एंव निविदा प्रपत्र की जानकारी	विस्तृत ई-निविदा सूचना उत्तर रेलवे की वैबसाइट www.nr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है एंव निविदा प्रपत्र आईआरईपीएस की वैबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा प्रपत्र आईआरईपीएस की वैबसाइट www.ireps.gov.in पर दिनांक 28.10.2026 से दिनांक 12.11.2026 तक जमा करने के लिए उपलब्ध रहेगा। निविदाकर्ता जो ई-निविदा में भाग लेने को इच्छुक है उनको सलाह दी जाती है कि उपरोक्त वैबसाइट पर अपना ई-पंजीकरण करा ले जिसके लिए उन्हे क्लास III डिजीटल प्रमाणपत्र की आवश्यकता होगी (यदि पहले से उपलब्ध नही है), जो आई टी नियम-2000 के अन्तर्गत सीसीए द्वारा जारी की जाएगी। उपरोक्त निविदा के अन्य सभी नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में दिये गये है। विस्तृत निविदा सूचना उपरोक्त कार्यालय के सूचना पट्ट पर भी देखा जा सकता है।

प्रपत्र सं० 17-विद्युत/नि०/टी/जी०पी०एस/एम०बी०/64-B दिनांकः 21.10.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3668/2026

टैक्सी यूनियन के कार्यालय में मारपीट और तोड़फोड़, डेढ़ लाख की चोरी का आरोप



टैक्सी-कार एसोसिएशन ने अपने कार्यालय में मारपीट, तोड़फोड़ और करीब डेढ़ लाख रुपये की चोरी का आरोप लगाया है। एसोसिएशन ने कोतवाली मसूरी में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। वहीं, दूसरे पक्ष ने भी यूनियन सदस्यों पर मारपीट और धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

एसोसिएशन के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह पंवार ने बताया कि 21 अक्तूबर को यूनियन के एजेंट प्रेम सिंह और मोहन सिंह के साथ धक्का-मुक्की हुई थी। उसी शाम कुछ लोग दोबारा कार्यालय पहुंचे और संयुक्त सचिव जयवीर सिंह के साथ मारपीट की।

हमलावरों ने कार्यालय का रजिस्टर, कैश काउंटर, शीशे, कैमरे और फर्नीचर तोड़ दिए। कैश काउंटर से डेढ़ लाख रुपये चोरी होने का आरोप है। इस घटना के विरोध में बुधवार से गुरुवार दोपहर तीन बजे तक टैक्सी संचालन बंद रहा। एसोसिएशन सचिव राकेश कोटाल ने बताया कि उपजिलाधिकारी ने दो दिन में कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

महिला का बैंक खाता खुलवाकर 50 हजार की साइबर ठगी



देहरादून। कोतवाली क्षेत्र निवासी किडनी की बीमारी से जूझ रही महिला को इलाज के लिए सरकारी आर्थिक सहायता दिलाने का झांसा देकर उसके बैंक खाते खुलवाए और फिर उन्हीं खातों का इस्तेमाल साइबर ठगी की रकम हासिल की। महिला के खाते में ठगी के 50 हजार रुपये आए, जिन्हें आरोपी ने एटीएम से निकाल लिया। पुलिस ने बुधवार रात को उत्तरकाशी जिले के पुरोला थाना क्षेत्र के दुईक गांव निवासी चमन को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से दो बैंक पासबुक, एक एटीएम कार्ड और एक सिम कार्ड बरामद हुआ है। कोतवाली प्रभारी राजीव रौथाण ने बताया कि साइबर सेल देहरादून से प्राप्त म्यूल अकाउंट की सूची के आधार पर विकासनगर स्थित भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा से जुड़े एक खाते की जांच की गई। समन्वय और जेएमआईएस पोर्टल के माध्यम से जानकारी जुटाने पर खाते में साइबर धोखाधड़ी से प्राप्त 50 हजार रुपये आने का पता चला। इस संबंध में साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत भी दर्ज थी। इसके बाद कोतवाली विकासनगर में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने खाताधारक महिला से पूछताछ की तो उसने बताया कि वह किडनी की मरीज है। चमन ने उसे डायलिसिस के लिए सरकारी मदद दिलाने का भरोसा देकर भारतीय स्टेट बैंक और केनरा बैंक में खाते खुलवाए थे। इसके बाद उसने दोनों खातों से संबंधित पासबुक, एटीएम कार्ड, दस्तावेज और खाते से जुड़े मोबाइल नंबर की सिम अपने पास रख ली थी।

आरोपी ने इन खातों का इस्तेमाल साइबर धोखाधड़ी की रकम प्राप्त करने के लिए किया। खातों में आई धनराशि को एटीएम के माध्यम से निकाल लिया, जबकि महिला को इसके बदले कोई रकम नहीं दी। महिला से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने सर्विलांस की मदद से आरोपी का पता लगाया और पुल नंबर एक, विकासनगर से उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पहले भी मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में जेल जा चुका है। उसके खिलाफ वर्ष 2017 में एनडीपीएस एक्ट के तहत पटेलनगर कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज हुई थी।

कार्यालय प्रधान/सचिव ग्राम पंचायत पीपली विकास खण्ड नैनीडांडा, पौड़ी गढ़वाल

दिनांक 22/10/2026

महामहिम राज्यपाल उत्तराखण्ड की ओर से अद्योहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों के मुहरबन्द निविदायें राजकीय विभाग के पंजीकृत ठेकेदारों से उनकी वर्गीकृत श्रेणी के अनुसार दिनांक 29/10/2026 के प्रातः 11:00 बजे तक अद्योहस्ताक्षरी कार्यालय में आमंत्रित की जाती है, जो कि अद्योहस्ताक्षरी अथवा उनके द्वारा मनोनीत प्रतिनिधि द्वारा उसी दिन प्रात 11:00 बजे तक उपस्थित ठेकेदारों अथवा उनके प्रतिनिधियों की जानकारी हेतु अद्योहस्ताक्षरी कार्यालय में दिनांक 23/10/2026 से 28/10/2026 तक निर्धारित शुल्क जमा कर कार्यालय दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

क्र0 सं0	कार्य का विवरण	लागत	धरोहर धनराशि	निविदा का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	अन्य विवरण
01	पीपली में पंचायत भवन निर्माण	1200000	20000	1000 रू0 +GST	6 माह	

प्रधान ग्राम पंचायत ग्राम पंचायत पीपली। वि0ख0 नैनीडांडा, पौड़ी गढ़वाल।

सचिव/ग्राम पंचायत विकास अधिकारी ग्राम पंचायत पीपली। वि0ख0 नैनीडांडा, पौड़ी गढ़वाल।

सीओ ने दिए लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण के निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि । कोटद्वार : पुलिस क्षेत्राधिकारी कोटद्वार अस्मिता ममगाईं ने गुरुवार को धुमाकोट थाने का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण कर पुलिस व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने लंबित विवेचनाओं का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही उन्होंने थाने में साफ-सफाई और अनुशासन बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण के दौरान सीओ ने थाना कार्यालय में रखे अभिलेखों के साथ शस्त्रागार, मालखाना, बैरक, मेस, हवालात, कम्प्यूटर कक्ष, सीसीटीएनएस, सीसीटीवी कैमरों और कम्प्यूटर उपकरणों का निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों से शस्त्रों और कारतूसों के संबंध में जानकारी ली तथा शस्त्रों की हैंडलिंग भी कराई। क्षेत्राधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को पुलिसकर्मियों का अनुशासन एवं टर्नआउट उच्च स्तर का बनाए रखने, बैरकों और आवासीय परिसर में साफ-सफाई सुनिश्चित


क्षेत्राधिकारी कोटद्वार अस्मिता ममगाईं थाना धुमाकोट के निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों को निर्देश देते हुए।

करने तथा सरकारी संपत्ति का उचित रख-रखाव करने के निर्देश दिए। उन्होंने थाना कार्यालय के अभिलेखों को अद्यावधिक रखने और उच्चाधिकारियों की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने को भी कहा। निरीक्षण के बाद थाना परिसर में पुलिस कर्मियों का सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें सीओ ने पुलिस कर्मियों की समस्याएं सुनीं और उनके समयबद्ध निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने पुलिस कार्यप्रणाली में अनुशासन, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने पर जोर दिया।

जलवायु की मार से खेती बचाने का दिया प्रशिक्षण

चिन्यालीसौड़। बदलते मौसम की चुनौतियों के बीच पर्वतीय खेती को टिकाऊऔर लाभकारी बनाने के लिए कृषि विज्ञान केंद्र चिन्यालीसौड़ में सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। बृहस्पतिवार से शुरू हुए इस प्रशिक्षण में किसानों को फसल विविधीकरण, प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग और वैज्ञानिक कृषि तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। इसी के साथ मिट्टी की उर्वरता बचाने के लिए खेत बचाओ अभियान भी शुरू किया गया है, जो 30 नवंबर तक चलेगा। कृषि विज्ञान केंद्र में अनुसूचित जाति उपयोजना के तहत आयोजित प्रशिक्षण का विषय जलवायु–सहिष्णु पर्वतीय कृषि हेतु एकीकृत कृषि प्रणाली है। इसका उद्देश्य किसानों को बदलती जलवायु के अनुरूप खेती के तरीके अपनाने और कृषि आधारित आजीविका को मजबूत बनाने के लिए प्रशिक्षित करना है। खेत बचाओ अभियान के तहत किसानों को मिट्टी की गुणवत्ता और उर्वरता बनाए रखने के उपाय बताए गए। उन्हें मृदा परीक्षण के आधार पर खाद और उर्वरकों का इस्तेमाल करने, जैविक खाद अपनाने तथा फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करने की जानकारी दी गई।

साइबर ठगी से बचाव के लिए पुलिस ने लगाई कैनोपी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने और आमजन को ऑनलाइन ठगी से बचाने के लिए पुलिस की ओर से जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

अभियान के तहत विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर कैनोपी लगाकर लोगों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस ने दशहरा मैदान, ग्रास्टनगंज में कैनोपी लगाकर लोगों को साइबर अपराधों से बचाव की जानकारी दी।

अभियान के दौरान पुलिस टीम ने लोगों को फर्जी कॉल, अनजान लिंक, ओएलएक्स फ्रॉड और लॉटरी व इनाम का लालच देकर की जाने वाली ठगी के बारे में बताया।

साथ ही फर्जी एप डाउनलोड करवाकर निजी जानकारी हासिल करने और बैंक खातों से रकम उड़ाने वाले साइबर अपराधों के प्रति भी सचेत किया गया। पुलिस कर्मियों ने बताया कि साइबर ठग अलग-अलग तरीकों से लोगों को अपने जाल में फंसाते हैं। ऐसे में किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक खाते से जुड़ी जानकारी, ओटीपी, पासवर्ड और अन्य गोपनीय विवरण साझा नहीं करने चाहिए।

अनजान लिंक पर क्लिक करने और संदिग्ध एप डाउनलोड करने से भी बचना चाहिए। पुलिस ने आमजन से अपील की कि किसी भी अनजान कॉल या संदेश पर भरोसा करने से पहले उसकी सत्यता की जांच करें। ऑनलाइन मिलने वाले आकर्षक ऑफर, इनाम और अन्य प्रलोभनों के झांसे में न आएं। यदि किसी के साथ साइबर ठगी होती है तो बिना देरी किए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं। पुलिस के अनुसार, अभियान का उद्देश्य आमजन को साइबर अपराधों के प्रति सतर्क करना और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के उपायों की जानकारी देना है। पुलिस ने लोगों से स्वयं जागरूक रहने के साथ अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने की अपील की।

विधानसभा निर्वाचन-2027 की तैयारियां तेज

आज से होगी ईवीएम-वीवीपैट की प्रथम स्तरीय जांच शुरू

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 के दृष्टिगत जनपद चमोली में ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी) शुक्रवार से शुरू होगी। यह प्रक्रिया विकास भवन, गोपेश्वर के सामने स्थित ईवीएम-वीवीपैट गोदाम में इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) के अधिकृत इंजीनियरों द्वारा जिला निर्वाचन अधिकारी की निगरानी में संपन्न की जाएगी।

जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव कुमार ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रत्येक सामान्य एवं उप निर्वाचन में उपयोग की जाने वाली ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की प्रथम स्तरीय जांच अनिवार्य है। निर्वाचन में केवल एफएलसी में प्रमाणित मशीनों का ही उपयोग किया जाता है। उन्होंने बताया कि एफएलसी की प्रक्रिया 23 अक्टूबर से कार्य समाप्ति तक प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से सायं 7 बजे तक संचालित की जाएगी। इसमें रविवार एवं अन्य सार्वजनिक अवकाश के दिन भी शामिल हैं। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप एफएलसी के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली गई हैं। एफएलसी प्रक्रिया की निगरानी जिला निर्वाचन अधिकारी के अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तराखंड तथा भारत निर्वाचन आयोग के स्तर से भी की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से अनुरोध किया है कि वे अपने प्रतिनिधियों को अधिकृत कर एफएलसी प्रक्रिया में प्रतिभाग कराएं तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी निर्वाचन सुनिश्चित करने की दिशा में अपना सहयोग प्रदान करें।

जयानंद भारती के भवन निर्माण हेतु 40 लाख स्वीकृत कराने पर महाराज का जताया आभार

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज के अनुरोध पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा विधानसभा क्षेत्र चौबट्टाखाल के अंतर्गत विकासखंड बीरोंखाल के साबली, पंचपुरी में स्थित उत्तराखंड रत्न स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक कर्मवीर जयानंद भारती से संबंधित भवन के निर्माण को मुख्यमंत्री घोषणा में शामिल कर 40 लाख की धनराशि स्वीकृत कराने पर आर्य समाज सावली आदि पंचपुरी संस्था के पदाधिकारियों ने पर्यटन मंत्री का आभार जताया है।

आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तराखण्ड से संबद्ध आर्य समाज सावली आदि पंचपुरी संस्था के पदाधिकारियों ने गुरुवार को प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री एवं चौबट्टाखाल विधायक सतपाल महाराज से भेंट कर विकासखंड बीरोंखाल के साबली, पंचपुरी में स्थित उत्तराखंड रत्न स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक कर्मवीर जयानंद भारती से संबंधित भवन के निर्माण हेतु मुख्यमंत्री घोषणा के अन्तर्गत 40 लाख की धनराशि स्वीकृत कराने पर उनका आभार जताया है। ज्ञात हो कि प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और चौबट्टाखाल विधायक


पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज को पुष्प गुच्छ भेंट करते हुए आर्य समाज सावली आदि पंचपुरी संस्था के पदाधिकारी।

सतपाल महाराज ने स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक, उत्तराखंड रत्न कर्मवीर जयानंद भारती की 146वीं जयंती के अवसर पर 17 अक्टूबर को विकासखण्ड बीरोंखाल स्थित राजकीय इंटर कॉलेज परिसर, स्यूंसी में आयोजित दो दिवसीय राजकीय मेले के शुभारंभ अवसर पर उत्तराखंड रत्न जयानंद भारती से संबंधित भवन के निर्माण के लिए मुख्यमंत्री से अनुरोध किया था। प्रतिनिधि मंडल में आर्य समाज सावली आदि पंचपुरीद्ध संस्था के संरक्षण वासुदेव विमल, अध्यक्ष महेशानंद आर्य, मंत्री जनजीवन राम आर्य, कार्यकारिणी सदस्य विनोद कोहली, पूर्व प्रमुख प्रीति देवी, धनेन्द्र कुमार, वीरेंद्र सिंह, चन्द्र प्रकाश आर्य एवं हेमराज प्रियव्रत आदि शामिल थे।

एक नजर

डेढ़ दशक से निष्प्रयोज्य पड़े आवासीय

नौगांव (उत्तरकाशी)। दौलतराम रवांल्टा जीआईसी परिसर में शिक्षकों के लिए बनाए गए 16 आवासीय भवन पिछले डेढ़ दशक से निष्प्रयोज्य पड़े हैं। जर्जर हालत में पहुंच चुके भवनों का अब तक ध्वस्तीकरण नहीं हो पाया है जिससे विद्यालय में अध्ययनरत करीब 500 छात्र–छात्राओं की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी है। हैरानी की बात यह है कि निष्प्रयोज्य घोषित किए जाने के 15 साल बाद भी विभाग भवनों का उपयोग नहीं कर पाया है।विद्यालय परिसर में प्रधानाचार्य और शिक्षकों के लिए टाइप–टू और टाइप–थ्री श्रेणी के कुल 16 आवासीय सेट बनाए गए थे। वर्ष 2009 में छठे वेतनमान के लागू होने के बाद शिक्षकों ने इन आवासों को खाली कर दिया था। इसके बाद लोनिवि बड़कोट ने वर्ष 2011 में तकनीकी जांच के बाद इन भवनों को निष्प्रयोज्य घोषित कर दिया था।

डामरीकरण की गुणवत्ता देखने के लिए गैरसैंण में कैंप कर रहे ईई

गोपेश्वर। गैरसैंण के भराड़ीसैंण में 27 अक्तूबर से प्रस्तावित विधानसभा सत्र को देखते हुए कर्णप्रयाग–गैरसैंण हाईवे पर सड़क सुधार का कार्य तेज कर दिया गया है। पैचवर्क की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए लोक निर्माण विभाग (एनएच) के अधिशासी अभियंता ओंकार पांडेय गैरसैंण में ही कैंप कर रहे हैं। वह डामरीकरण कार्य की नियमित निगरानी करेंगे। विधानसभा सत्र में अधिकांश मंत्रियों और विधायकों को सड़क से भराड़ीसैंण पहुंचना है। इसे देखते हुए एनएच की ओर से गैरसैंण क्षेत्र में पैचवर्क कराया जा रहा है। बीते बुधवार को गैरसैंण बाजार के समीप सलियाणा बैंड पर पैचवर्क की गुणवत्ता खराब होने और डामर उखड़ने की शिकायतें मिली थीं। इस पर ईई ने मौके पर पहुंचकर कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने किलोमीटर 186 पर खराब गुणवत्ता से बिछाई गई बिटुमिनस कंक्रीट (बीसी) की परत को जेसीबी से उखड़वा दिया था। ईई ओंकार पांडेय ने बताया कि सड़क पर पैचवर्क का कार्य गुणवत्ता के साथ तेजी से पूरा कराने के लिए वह गैरसैंण में कैंप कर रहे हैं। कार्य शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा।

जब कांग्रेस हारती है तब ईवीएम पर सवाल उठाती है : परिहार

नई टिहरी। भाजपा के प्रदेश महामंत्री कुंदन परिहार ने कहा कि जनता ने कांग्रेस को पूरी तरह से नकार दिया है। जब कांग्रेस हारती है तब ईवीएम और चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाती है।

भाजपा कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में प्रदेश महामंत्री ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में भी देश में कई बार एसआईआर की प्रक्रिया अपनाई गई है। एसआईआर के जरिए मतदाता सूची को पारदर्शी बनाया जा सकता है। इस बार भाजपा सरकार ने एसआईआर का कार्य पूरा किया है लेकिन जनता का विश्वास जीतने में विफल रही कांग्रेस सीजेपी का सहारा लेकर देश में अराजकता फैलाकर तख्तापलट करना चाहती है। इस मौके पर प्रदेश मंत्री नलिन भट्ट, जिलाध्यक्ष उदय रावत, सहप्रभारी सतेंद्र राणा, दायित्वधारी खेम सिंह चौहान, सोना सजवाण, जोत सिंह बिष्ट, प्रमुख राजेश नौटियाल, विनोद रतूड़ी, विजय कठैत और गीतांजली सजवाण आदि मौजूद थे।

गोपेश्वर में पहली बार लोगों ने देखी पैराग्लाइडिंग

गोपेश्वर। नगर क्षेत्र के आसमान में बृहस्पतिवार को पहली बार लोगों ने पैराग्लाइडिंग देखी। देवाल ब्लॉक के पर्यटन स्थल लोहाजंग से उड़ान भरकर यूएसए के बेंजामिन क्लिट और उनके साथी करीब दो घंटे तक गोपेश्वर के आसमान में पैराग्लाइडिंग करते रहे। बताया जा रहा है कि उन्हें उत्तरकाशी जाना है। आसमान में पैराग्लाइडिंग करते देख लोग रोमांचित हो उठे। नगर में जगह–जगह से लोग आसमान की ओर नजरें टिकाए रहे।

उत्तराखण्ड पुलिस की फायरिंग प्रतियोगिता शुरू

श्रीनगर की केदार फायरिंग रेंज में 12 टीमों के 120 प्रतिभागी दिखाएंगे निशानेबाजी का हुनर

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : गुरूवार को जनपद पौड़ी के श्रीनगर स्थित एसएसबी की केदार फायरिंग रेंज में उत्तराखण्ड पुलिस की 22वीं प्रादेशिक अंतर्जनपदीय/वाहिनी राइफल, रिवॉल्वर एवं पिस्टल शूटिंग प्रतियोगिता-2026 का शुभारंभ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी सर्वेश पंवार द्वारा किया गया। इसका उद्देश्य पुलिसकर्मियों की निशानेबाजी दक्षता, फायरिंग कौशल और पेशेवर क्षमता को और अधिक सुदृढ़ करना है।

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों ने सलामी देकर खेल भावना, अनुशासन एवं समर्पण के साथ प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने की शपथ ली। इस मौके पर एसएसपी पौड़ी सर्वेश पंवार ने कहा कि पुलिस बल के लिए शस्त्र संचालन में दक्षता, अनुशासन एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति के लिए उत्तराखण्ड पुलिस



स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड के वार्षिक खेल कैलेंडर के अनुसार विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को आगामी तीन दिनों तक उत्कृष्ट प्रदर्शन करने तथा निशानेबाजी में अपनी दक्षता एवं कौशल का परिचय देने के लिए प्रेरित किया। इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में जनपद पुलिस की 07, पीएसी/वाहिनियों की 03, आईआरबी की 02 टीमों सहित कुल 12 टीमें एवं 120 से अधिक प्रतिभागी अपनी निशानेबाजी, सटीक लक्ष्यभेदन क्षमता एवं शस्त्र संचालन कौशल का प्रदर्शन करेंगे। निशानेबाजी में राइफल से 100, 200, 300 मीटर तथा पिस्टल से 15, 25, 30 और 50 मीटर की प्रतियोगिताएं में विभिन्न प्रतिभागी हाथ आजमाएंगे। 24 अक्टूबर को प्रतियोगिता का समापन होगा।

अल्ट्रासाउंड मशीनें तो लगा दी पर रेडियोलॉजिस्ट नहीं है

उत्तरकाशी। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जनपद के जिला अस्पताल सहित उप जिला चिकित्सालय पुरोला, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिन्यालीसौड़ व नौगांव में अल्ट्रासाउंड मशीनें तो लगा दी लेकिन इसके सापेक्ष जनपद में मात्र एक ही पद सृजित है।

पुरोला में एसीएमओ अल्ट्रासाउंड की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं लेकिन उसके बावजूद लोगों को एक से डेढ़ सप्ताह पूर्व अपना पंजीकरण करवाना पड़ता है।

दो डॉक्टरों के भरोसे पूरे जनपद की अल्ट्रासाउंड व्यवस्था चल रही है। महिला अस्पताल में भी अल्ट्रासाउंड की सुविधा नहीं है। जिला अस्पताल की बात करें तो यहां पर पूरे जनपद सहित टिहरी के लंबगांव व प्रतापनगर क्षेत्र से मरीज व गर्भवती महिलाएं पहुंचती हैं। साथ ही चिन्यालीसौड़ में भी टिहरी के कांडीसौड़ से लोग पहुंचते हैं। ऐसी स्थिति में मानकों के अनुरूप अल्ट्रासाउंड नहीं हो पाते हैं।

कई बार मरीजों व गर्भवतियों को अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट गलत आ जाती है। साथ ही मरीजों व गर्भवती महिलाओं को करीब एक से डेढ़ सप्ताह पहले अपना पंजीकरण करवाना होता है। उसके बाद उनका नंबर आता है। स्थानीय निवासी शैलेंद्र मटूड़ा का कहना है कि सरकार की ओर से अल्ट्रासाउंड मशीनें तो पहुंचा दी गई लेकिन पद सृजित नहीं किए गए।

पांच किमी पैदल चलने के लिए ग्रामीण मजबूर



उत्तरकाशी। धौंतरी क्षेत्र के ग्राम पंचायत जालंग गांव के लिए वर्ष 1989 में वन विभाग की ओर कमद–अयांरखाल मोटर मार्ग से जालंग तक तीन किमी सड़क का निर्माण किया गया था लेकिन मरम्मत नहीं होने अब यह सड़क बदहाल पड़ी है। इससे ग्रामीणों को पांच किमी पैदल आवाजाही करनी पड़ रही है।

ग्राम प्रधान गीता राणा ने बताया कि ग्रामीणों की मांग पर सड़क को लोनिवि को हस्तांतरित करने के लिए वन विभाग सहित राजस्व विभाग व लोनिवि के अधिकारियों ने इस पर कुछ समय पूर्व कार्रवाई शुरू की। इसके तहत सिरी के समीप करीब ढाई हेक्टेयर वन विभाग को हस्तांतरित होने के बाद तीन किमी सड़क लोनिवि के अधिकार क्षेत्र में आनी थी लेकिन तीनों विभागों के अधिकारियों ने स्थलीय निरीक्षण न कर सिरी के समीप भूमि को हस्तांतरण के लिए प्रस्तावित कर दिया।

उसके बाद जब फाइल उच्च अधिकारियों तक पहुंची तो वहां पर तकनीकी सहित स्थलीय निरीक्षण किया गया तो उस सिविल भूमि पर स्थानीय लोगों के खेत सहित गोशालाएं बनी थी। उसके बाद वन मुख्यालय की ओर से इसे निरस्त कर दिया गया। ग्रामीण सरिता राणा, गीता राणा, कैलाशी देवी, भागा देवी, भगवान सिंह का कहना है कि विभागों की लापरवाही का खामियाजा उन्हें भुगतान पड़ रहा है। इसलिए अगर प्रशासन जल्द ही सड़क हस्तांतरण की प्रक्रिया पर उचित कदम नहीं उठाता है तो उन्हें आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

रोहिड़ा इंटर कॉलेज में शिक्षक की तैनाती, नैनीसैंण में इंतजार

कर्णप्रयाग। गैरसैंण ब्लॉक के अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज रोहिड़ा के छात्रों के लिए राहत भरी खबर है। विद्यालय में लंबे समय से रिक्त चल रहे भौतिक विज्ञान प्रवक्ता के पद पर तैनाती हो गई है। शिक्षा निदेशालय की ओर से शिक्षक कैलाश चंद्र सिंह की संशोधित तैनाती कर दी गई है। वहीं कर्णप्रयाग विकासखंड के अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज नैनीसैंण में शिक्षकों की कमी को लेकर असमंजस और असंतोष की स्थिति बनी हुई है।

नैनीसैंण में शिक्षकों की मांग के लिए अभिभावक आंदोलन पर हैं। धरना–प्रदर्शन के अलावा अभिभावकों ने खून से पीएम, सीएम सहित अन्य को खत भी लिखे हैं। पीटीए अध्यक्ष बीते 28 सितंबर से शिक्षकों की मांग के लिए नंगे पैर चल रहे हैं। हालांकि पूर्व में जारी आदेश के तहत संबंधित शिक्षक को नैनीसैंण भेजा गया था लेकिन वहां पद रिक्त न होने के कारण अपर निदेशक माध्यमिक शिक्षा (उत्तराखंड) की ओर से जारी संशोधित आदेश के तहत उन्हें वापस रोहिड़ा में नियुक्त किया गया है। इस संशोधन से रोहिड़ा के छात्रों की पढ़ाई हो सकेगी। मगर नैनीसैंण विद्यालय में अब भी रसायन विज्ञान, गणित सहित कई महत्वपूर्ण पद खाली हैं। वहीं इस संबंध में चमोली के मुख्य शिक्षा अधिकारी आकाश सारस्वत ने आश्वस्त किया कि जिले के सभी विद्यालयों में खाली पदों को भरने की प्रक्रिया शासन स्तर पर गतिमान है।

मिनी फुटबॉल बालक में अयान, तनुज, अतुल अव्वल

नई टिहरी। चंबा ब्लॉक के विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की 14 से 18 वर्ष (दिव्यांग) क्रीड़ा प्रतियोगिता बौराड़ी स्टेडियम में विजेता और उपविजेताओं टीमों और खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरण के साथ संपन्न हो गई। मिनी फुटबॉल बालक वर्ग टीम में अयान, तनुज, अतुल ने पहला स्थान प्राप्त किया।

जिला नोडल दिव्यांग प्रभारी क्रीड़ा चक्रधर प्रसाद भद्री ने बताया कि बालक वर्ग रिले दौड़ में अलमती, अतुल, अयान, रोहित की टीम ने पहला स्थान प्राप्त किया। हिमांशु, समर आर्य, तनुज, शिवम दूसरे स्थान पर रहे। बालिका रिले दौड़ में सबीना, मुस्कान पहले स्थान पर रहीं। सिमरन, सूबाना ने दूसरा स्थान हासिल किया।

मिनी फुटबॉल में अलमलिक, रोहित, लक्ष्य प्रताप की टीम दूसरे स्थान रहे।

सॉफ्टबॉल बालक वर्ग में अलमलिक पहले, आयुष दूसरे व अतुल तीसरे स्थान पर रहे। बोच्चे खेल बालक वर्ग में तौसीफ, अलमलिक, अतुल, आयुष ने पहला, मनोरंजन में अलमलिक पहले, शिवम दूसरे व अतुल तीसरे स्थान पर रहे। व्हील चेयर प्रतियोगिता में में तौसीफ पहले स्थान पर रहा।

अंकिता भंडारी के परिवार को न्याय दिलाने के लिए बदरीनाथ से निकली न्याय यात्रा

बदरीनाथ/ज्योतिर्मठ। अंकिता भंडारी के परिवार को न्याय दिलाने की मांग के लिए कांग्रेस की न्याय यात्रा बृहस्पतिवार को बदरीनाथ धाम से शुरू हुई। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के नेतृत्व में निकली यह यात्रा विभिन्न स्थानों से होते हुए जन–जन तक पहुंचाई जाएगी। कांग्रेस ने प्रदेश में कानून–व्यवस्था, बेरोजगारी, सरकारी जमीनों और नौकरियों में कथित अनियमितताओं को लेकर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। न्याय यात्रा शुरू करने से पहले कांग्रेस कार्यकर्ता बदरीनाथ मंदिर परिसर पहुंचे। इसके बाद यात्रा का शुभारंभ किया गया। प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने आरोप लगाया कि प्रदेश में अपराधियों को संरक्षण दिया जा रहा है



और अंकिता भंडारी मामले के आरोपियों को बड़े पदों से नवाजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सरकारी जमीनें बिक रही हैं, युवा बेरोजगार हैं और नौकरियां बेचे जाने के आरोप सामने आ रहे हैं। उन्होंने बदरीनाथ धाम में चढ़ावे की चोरी और केदारनाथ में सोना गायब होने के मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि न्याय यात्रा परमेश्वर के दर से जन–जन के दर तक पहुंचेगी। इस मौके पर बदरीनाथ विधायक लखपत बुटोला, नरेंद्रनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी, महिला प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला, विधानसभा प्रभारी चंद्रशेखर पल्लव, जिलाध्यक्ष सुरेश डिमरी, माणा के पूर्व प्रधान पीतांबर मोल्फा, पार्टी प्रवक्ता तेजवीर कंडेरी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डागुरा खड्ड के पास देवदार के स्लीपर मिलने से हड़कंप



देहरादून । लाखामंडल–क्वांसी मार्ग पर डागुरा खड्ड के पास सड़क के स्कवर में देवदार की लकड़ी के स्लीपर मिलने का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद क्षेत्र में अवैध कटान और लकड़ी की संभावित तस्करी को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि, लकड़ी कहां से लाई गई और इसे किस उद्देश्य से वहां रखा गया था, इसकी आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, खत बौंदूर नाड़ा रेंज के अंतर्गत खेड़ा डागुरा क्षेत्र में देवदार के स्लीपर पाए गए हैं। स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि रात के अंधेरे में लकड़ी ले जाई जा रही थी, लेकिन चालक स्लीपर मौके पर छोड़कर चला गया। इस घटनाक्रम की स्वतंत्र पुष्टि और संबंधित विभाग की आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आना अभी बाकी है।

वन विभाग की जिम्मेदारी पर उठे सवाल

देवदार के स्लीपर मिलने की घटना ने वन संपदा की सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोगों के बीच यह चर्चा है कि यदि लकड़ी का परिवहन अवैध तरीके से किया जा रहा था, तो इसकी रोकथाम के लिए जिम्मेदार विभागों ने क्या कदम उठाए हैं।

मामले में यह भी जांच का विषय है कि लकड़ी वैध स्रोत से लाई गई थी या इसके पीछे अवैध कटान की कोई गतिविधि है। इसके साथ ही लकड़ी के परिवहन से संबंधित अनुमति, दस्तावेज और अन्य आवश्यक अभिलेखों की जांच किए जाने की जरूरत है।

निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग

क्षेत्र में वन संपदा की सुरक्षा को लेकर निष्पक्ष जांच की मांग उठ रही है। मांग है कि बरामद लकड़ी की मात्रा और प्रजाति का सत्यापन किया जाए, उसके स्रोत का पता लगाया जाए तथा संबंधित अभिलेखों की जांच की जाए। यदि जांच में अवैध कटान, अवैध परिवहन या अन्य अनियमितता की पुष्टि होती है, तो दोषियों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

स्थानीय स्तर पर यह सवाल भी उठ रहा है कि जंगलों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार तंत्र की जवाबदेही कैसे सुनिश्चित की जाएगी। लोगों का कहना है कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए केवल दावे पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि नियमित निगरानी और प्रभावी कार्रवाई भी जरूरी है।

जंगलों की सुरक्षा सवीपरि

जौनसार–बावर का प्राकृतिक परिवेश, देवदार के जंगल और जैव विविधता क्षेत्र की महत्वपूर्ण धरोहर हैं। वन संपदा को नुकसान पहुंचने से पर्यावरणीय संतुलन प्रभावित हो सकता है। ऐसे में डागुरा खड्ड के पास मिले देवदार के स्लीपरों के मामले को गंभीरता से लेते हुए तथ्यों के आधार पर जांच करना आवश्यक है।

गढ़वाली काव्यकृति बौड़कि ऐजा का विमोचन

नई टिहरी। चंबा ब्लॉक के राजकीय इंटर कॉलेज खंडकरी में कार्यरत अंग्रेजी के प्रवक्ता डॉ. अंबरीश चंद्र चमोली की गढ़वाली काव्यकृति बौड़कि ऐजा (लौट के आ जाओ) का विमोचन किया गया है। इसमें लोगों को पहाड़ की मिट्टी, संस्कृति और अपनी जड़ों से जुड़ने की भावपूर्ण पुकार है की गई है।

पलाम गांव में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में आचार्य भरत किशोर ने किताब का विमोचन किया गया। साहित्यकार डॉ अंबरीश ने कहा कि इस कृति में सांस्कृतिक चेतना, प्राकृतिक सौंदर्य, सामाजिक परिवेश और पलायन की पीड़ा को गढ़वाली भाषा में पिरोया गया है। उन्होंने अपनी इस कृति को अपनी मां और मातृभूमि को समर्पित किया है। डॉ. चमोली हिंदी, संस्कृत और अंग्रेजी के साहित्यकार हैं।

जंगल–मंगल संपत्ति विवाद में पद्मश्री डॉ. योगी ऐरन के गंभीर आरोप

देहरादून। राजधानी देहरादून के कुठाल गेट स्थित जंगल–मंगल संपत्ति को लेकर विवाद गहरा गया है। पद्मश्री सम्मानित 87 वर्षीय डॉ. योगी ऐरन ने करीब 50 लोगों पर संपत्ति में जबरन प्रवेश करने और तोड़फोड़ करने का आरोप लगाया है। उन्होंने विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दिए जाने का दावा भी किया है।

डॉ. योगी ऐरन ने इस संबंध में पुलिस को शिकायत सौंपते हुए कथित घटना से जुड़े फोटो, वीडियो और ऑडियो साक्ष्य भी उपलब्ध कराने की बात कही है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

दोनों पक्षों से मांगे जमीन के दस्तावेज

मामले की निष्पक्ष जांच के लिए पुलिस ने दोनों पक्षों से संपत्ति से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा है। वहीं, राजस्व विभाग द्वारा जमीन का सीमांकन किया जाएगा। इससे संपत्ति की वास्तविक सीमाओं और संबंधित पक्षों के दावों की पड़ताल करने में मदद मिलेगी।

सीमांकन रिपोर्ट के बाद स्पष्ट होगी स्थिति

राजस्व विभाग की रिपोर्ट और दोनों पक्षों के दस्तावेजों की जांच के बाद विवादित संपत्ति की सीमाओं को लेकर स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चार विद्यालय भवनों का 97.57 लाख से होगा पुनर्निर्माण

नई टिहरी। भिलंगना और जाखणीधार ब्लॉक के चार राजकीय प्राथमिक विद्यालय जर्जर भवनों के पुनर्निर्माण की उम्मीद जगी है। शासन से विद्यालय भवनों के निर्माण के लिए 97.57 लाख की धनराशि जारी की गई है। शिक्षा विभाग ने भवनों का पुनर्निर्माण कार्य की जिम्मेदारी ग्रामीण निर्माण विभाग (आरडब्ल्यूडी) को सौंपी है। भिलंगना ब्लॉक के राजकीय प्राथमिक विद्यालय महड़, पाख व जाखणीधार के प्राथमिक विद्यालय तुनियार और सोनधार के भवनों की गत कई वर्षों से स्थिति खस्ताहाल थी जिससे छात्रों के साथ शिक्षकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। चारों विद्यालय लोकसभा और विधानसभा चुनाव में पोलिंग बूथ भी बनाए जाते रहे हैं लेकिन बजट न मिलने से विद्यालयों की मरम्मत और पुनर्निर्माण कार्य नहीं होने छात्रों और शिक्षकों की परेशानी बढ़ी हुई थी। प्राथमिक विद्यालय महड़ के भवन पुनर्निर्माण के लिए 23.40 लाख, पाख विद्यालय के लिए 25.05 लाख, प्राथमिक विद्यालय तुनियार के लिए 24.56 व सोनधार विद्यालय भवन के लिए 24.56 की धनराशि मिली है। चारों भवनों की धनराशि ग्रामीण निर्माण विभाग घनसाली कार्यदायी संस्था को हस्तांतरित की गई है।

स्वास्थ्य शिविर में 52 लोगों ने कराई जांच

गोपेश्वर। मुख्यमंत्री श्रमिक स्वास्थ्य योजना के तहत लासी गांव में श्रम विभाग की ओर से श्रमिकों व उनके परिजनों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। कैंप आंख, नाक, कान, दांत, ईसीजी, त्वचा, बीपी, फेफड़े की जांच सहित अन्य जांचें की गई। कैंप में बिजेंद्र नेगी, डॉ. रोहित शर्मा, पैरामेडिक स्टाफ पूनम, दीपशिखा नेगी, ममता रावत, कविता, राहुल कोठियाल, बीरेंद्र सिंह, विजेंद्र सिंह ने सेवाएं दी।

साध्वी उमा भारती ने किए बाबा केदार के दर्शन

रुद्रप्रयाग। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री एवं साध्वी उमा भारती ने बृहस्पतिवार को बाबा केदार के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने मंदिर के गर्भ गृह में भगवान केदारनाथ की पूजा की और आशीर्वाद लिया। इसके बाद उमा भारती ने तीर्थपुरोहितों से बातचीत की और इसके बाद लौट गईं।बृहस्पतिवार सुबह 9 बजे साध्वी उमा भारती केदारनाथ पहुंचीं। उन्होंने बाबा केदार के मंदिर में जाकर विशेष पूजा–अर्चना की और कुछ देर ध्यान किया। उन्होंने बदरी–केदार मंदिर समिति के साथ ही तीर्थपुरोहितों से बातचीत की। बीकेटीसी ने उमा भारती का स्वागत किया। बदरी–केदार मंदिर समिति के प्रशासनिक अधिकारी डीएस भुजवाण ने बताया कि उमा भारती ने पूजा अर्चना की और कुछ देर रुकने के बाद वह लौट गईं।

सोने की कीमतों में फिर गिरावट, खरीदारों को राहत की उम्मीद

देहरादून। सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट के बीच आभूषण खरीदने की तैयारी कर रहे लोगों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। 22 अक्टूबर के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, घरेलू बाजार में 24, 22 और 18 कैरेट सोने के भाव में पिछले दिन के मुकाबले कमी दर्ज की गई। हालांकि, बाजार में कीमतों में उतार–चढ़ाव जारी है और अलग–अलग शहरों में सोने के भाव अलग हो सकते हैं।

24 कैरेट सोने की कीमत में 1,090 की गिरावट

उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, 21 अक्टूबर को 24 कैरेट सोने का औसत भाव 1,47,320 प्रति 10 ग्राम था, जो 22 अक्टूबर को घटकर 1,46,230 प्रति 10 ग्राम रह गया। इस तरह एक दिन में 1,090 प्रति 10 ग्राम की गिरावट दर्ज की गई इसी अवधि में 22 कैरेट और 18 कैरेट सोने



की कीमतों में भी कमी देखने को मिली। इससे आभूषण खरीदने वाले ग्राहकों को कीमतों पर नजर रखने का मौका मिला है।

दिल्ली के सर्राफा बाजार में भी आई गिरावट

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के हवाले से उपलब्ध जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के सर्राफा बाजार में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत में 1,300 प्रति 10 ग्राम की गिरावट दर्ज की गई। इसके बाद सभी करों सहित इसका भाव 1,49,000 प्रति 10 ग्राम बताया गया।चांदी की कीमत में भी कमजोरी दर्ज की गई। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, चांदी 1,600 गिरकर 2,13,400 प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई, जबकि इससे पहले इसका भाव 2,15,000 प्रति किलोग्राम बताया गया था।

सोने की कीमतों में गिरावट के पीछे क्या कारण?

बाजार संबंधी जानकारी के अनुसार, रुपये की मजबूती, कच्चे तेल की उंची कीमतों और वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख को सोने की कीमतों में गिरावट से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि, सोने के भाव पर अंतरराष्ट्रीय बाजार, डॉलर की चाल, निवेशकों की मांग और घरेलू बाजार की परिस्थितियों का भी असर पड़ता है।

संक्षिप्त समाचार

मद्महेश्वर मेले की तैयारियों के लिए की बैठक

ऊखीमठ। भगवान मद्महेश्वर की चल उत्सव विग्रह डोली के आगमन पर आयोजित होने वाले त्रिदिवसीय मद्महेश्वर मेले की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में मेले को भव्य रूप देने के साथ ही विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए पदाधिकारियों एवं सदस्यों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

बृहस्पतिवार को नगर पंचायत सभागार में नगर पंचायत अध्यक्ष कुब्जा धर्म्वाण की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में 18 से 20 नवंबर तक होने वाले मद्महेश्वर मेले की तैयारियों पर चर्चा की गई। बैठक में डॉ. कैलाश पुष्पवान के निधन के बाद रिक्त हुए कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी रवीन्द्र पुष्पवान को सौंपी गई, जबकि पूर्व प्रधान संदीप पुष्पवान को मेला समिति का महामंत्री बनाया गया। मेले के सफल आयोजन के लिए नगर पंचायत के चारों सभासदों के साथ ही ऊखीमठ पंचगाई के ग्राम प्रधानों एवं क्षेत्र पंचायत सदस्यों को समिति में सक्रिय भूमिका निभाने की जिम्मेदारी दी गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि मेले के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों के साथ खेल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी। बैठक में मेला सचिव प्रकाश रावत, सभासद प्रदीप धर्म्वाण, सरला रावत, मनवर सिंह नेगी, राजीव भट्ट, दिनेश तिवारी, राजेन्द्र धर्म्वाण, प्रताप धर्म्वाण, जगदीश लाल, मनवर धर्म्वाण, दलबीर रावत सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जयंती–कोठियाड़ा इंटर कॉलेज में शिक्षकों की तैनाती की मांग

जखोली। ब्लॉक के राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज जयंती–कोठियाड़ा में शिक्षकों के रिक्त पदों पर नियुक्ति की मांग तेज हो गई है। विद्यालय प्रबंधन समिति और जनप्रतिनिधियों ने मुख्य शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन भेजकर शीघ्र शिक्षकों की तैनाती करने की मांग की।

विद्यालय में वर्तमान में 132 छात्र–छात्राएं अध्ययनरत हैं। इनमें कक्षा 11वीं के 22 और कक्षा 12वीं के 29 छात्र–छात्राएं हैं। विद्यालय में प्रवक्ता अंग्रेजी, गणित और अर्थशास्त्र के साथ ही प्रधानाचार्य का एक–एक पद रिक्त है। ग्रामीणों के अनुसार स्थानांतरण के बाद इन पदों पर नई तैनाती नहीं होने से विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। विद्यालय प्रबंधन समिति की अध्यक्ष पूजा, ग्राम प्रधान कोठियाड़ा पवन सिंह राणा, योगेश कोठारी, पुरुषोत्तम शाह और सत्ये सिंह राणा ने बताया कि महत्वपूर्ण विषयों के प्रवक्ताओं के पद रिक्त होने से विद्यार्थियों की शिक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने शिक्षा विभाग से शीघ्र रिक्त पदों पर नियुक्ति करने की मांग की। शीघ्र तैनाती नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी।

80 से अधिक गांवों की लाइफलाइन पर आवाजाही में खतरा

अगस्त्यमुनि। नगर पंचायत से जुड़ा गंगानगर–पठालीधार–थाती–बड़मा मार्ग बदहाल बना है। केदारनाथ और रुद्रप्रयाग विधानसभा क्षेत्रों के करीब 80 गांवों के साथ तहसील बसुकेदार को जोड़ने वाला यह मार्ग ग्रामीणों के लिए आवागमन का प्रमुख साधन है। इसके बावजूद सड़क पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं होने से ग्रामीणों को आवाजाही में यहां हर समय हादसों का खतरा बना रहता है।

ग्राम प्रधान सुजाता देवी का कहना है कि इस मार्ग से होकर ग्रामीण महाविद्यालय, अस्पताल और अन्य जरूरी कामों के लिए आवाजाही करते हैं और सड़क खस्ताहाल होने से दिक्कतें झेलनी पड़ती हैं। सतीश गोस्वामी ने बताया कि बरसात के दौरान मार्ग पर आवागमन करना मुश्किल हो जाता है। संजय नेगी ने बताया कि सड़क पर कई बार वाहन फिसलने की स्थिति बन चुकी है जिससे दुर्घटना का खतरा बना रहता है। कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष हरीश गुसाईं ने कहा कि सड़क पर सुरक्षा की दृष्टि से जरूरी कार्य नहीं किए गए हैं। मार्ग के सुधारीकरण की मांग के लिए पूर्व में कई बार आंदोलन भी किए गए लेकिन धरातल पर स्थायी निर्माण नजर नहीं आ रहा है। वहीं लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता इंद्रजीत बोस ने बताया कि शीघ्र सड़क के सुधारीकरण का कार्य कराया जाएगा।

कृषि विभाग की नेम प्लेट लगी बोलेरो ने 7 दोपहिया वाहनों को मारी टक्कर

देहरादून। राजधानी देहरादून में आधी रात सड़क हादसों की दो घटनाओं से हड़कंप मच गया। चंदरनगर क्षेत्र में कृषि विभाग की नेम प्लेट लगी बोलेरो ने सड़क किनारे खड़ी पांच स्कूटी और दो बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक भी बोलेरो की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद वाहन में सवार चार युवक मौके से फरार हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, चंदरनगर में देर रात तेज टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। वहां कई दोपहिया वाहन क्षतिग्रस्त हालत में मिले और एक युवक घायल पड़ा था। हादसे के बाद बोलेरो सवार चारों युवक वाहन छोड़कर फरार हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को उपचार के लिए पहुंचाया गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की सहायता से दुर्घटनाग्रस्त बोलेरो को जब्त कर लिया। पुलिस फरार युवकों की तलाश में जुटी है। शुरुआती



जानकारी के मुताबिक, बोलेरो कृषि विभाग में कॉन्ट्रैक्ट पर लगी हुई थी। हालांकि, हादसे के समय वाहन कौन चला रहा था और दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जांच की जा रही है।

राजपुर रोड पर भी हादसा, बिजली के पोल पर चढ़ी कार

इसी बीच राजपुर रोड पर भी सड़क दुर्घटना की सूचना सामने आई, जहां एक कार बिजली के पोल पर चढ़ गई। प्रारंभिक जानकारी में चालक के नशे में होने की बात कही जा रही है। हालांकि, इस संबंध में आधिकारिक पुष्टि और जांच के निष्कर्ष सामने आना बाकी है।

लापरवाही पर उठे सवाल

राजधानी में लगातार सामने आ रही सड़क दुर्घटनाओं ने यातायात सुरक्षा और वाहन चालकों की जिम्मेदारी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। चंदरनगर की घटना में सात दोपहिया वाहनों के क्षतिग्रस्त होने और एक युवक के गंभीर रूप से घायल होने के बाद पुलिस की जांच पर लोगों की नजरें टिकी हैं।

पुलिस दोनों घटनाओं की जांच कर रही है। चंदरनगर हादसे में फरार आरोपियों की पहचान, बोलेरो के इस्तेमाल और दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

होटल में युवक की संदिग्ध मौत

हल्द्वानी।उत्तराखंड के नैनीताल जिले के हल्द्वानी में एक होटल में महिला के साथ ठहरे 32 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, युवक ने होटल में बीयर पीने के साथ शक्तिवर्धक दवा का सेवन किया था। कुछ समय बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। सूचना मिलने पर होटल कर्मचारियों की मदद से उसे सुशीला तिवारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल ले जाया गया युवक

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, हल्द्वानी के गौला गेट क्षेत्र का निवासी युवक बीते मंगलवार शाम एक महिला के साथ स्थानीय होटल में ठहरा था। बताया जा रहा है कि होटल में रहने के दौरान उसने बीयर के साथ शक्तिवर्धक दवा का सेवन किया। कुछ देर बाद उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। स्थिति गंभीर होने पर महिला ने होटल कर्मचारियों को इसकी जानकारी दी। इसके बाद युवक को तत्काल सुशीला तिवारी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टर उसे बचा नहीं सके।

पहले से शादीशुदा थे युवक और महिला

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतक युवक शादीशुदा था और उसके तीन बच्चे हैं। वही, उसके साथ होटल में मौजूद महिला भी विवाहित बताई जा रही है और उसके दो बच्चे हैं। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच पहले से परिचय और प्रेम संबंध थे।

लोकसंस्कृति के सुरों से जनजागरूकता की अलख

उत्तरकाशी। लोकगीत और पारंपरिक नाट्य शैली पहाड़ की सांस्कृतिक पहचान होने के साथ ही जनजागरूकता का प्रभावी माध्यम हैं।

इसी लोक परंपरा को जीवंत रखते हुए भटवाड़ी क्षेत्र में कलाकारों ने लोकधुनों के जरिए ग्रामीणों तक सरकारी योजनाओं और सामाजिक सरोकारों का संदेश पहुंचाया।

सूचना एवं लोक संपर्क निदेशालय, देहरादून के सौजन्य से 8 से 20 अक्टूबर तक चले इस अभियान में लोक गायक नवीन सिंह कठैत के नेतृत्व में ह्यजी भाई जीह्ल उत्तरांचल विरासत लोक कला मंच ने विभिन्न गांवों में गीत–नाट्य प्रस्तुतियां दीं। कलाकारों ने लोकगीतों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार, शिक्षा और जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े विषयों को सरल अंदाज में प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में लखपति दीदी योजना के तहत महिला समूहों को पांच लाख रुपये तक के ब्याजमुक्त ऋण, नकल विरोधी कानून, किसान ऋण और महालक्ष्मी योजना सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। लोकभाषा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से इन विषयों को ग्रामीणों तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में नवीन सिंह कठैत के साथ आशा अग्रवाल, राजेश आर्यन, अम्बिका कठैत, गोपाल सहित अन्य कलाकारों ने प्रतिभाग किया।

मोटे अनाज को व्यापक बाजार कराएंगे उपलब्ध

रुद्रप्रयाग। जनपद के पारंपरिक मोटे अनाजों को वैज्ञानिक तकनीक से जोड़कर वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने के लिए राजकीय इंटर कॉलेज जवाहर नगर, मयकोटी में छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला शुरू हुई। कार्यशाला का शुभारंभ केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल ने किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के पारंपरिक अनाज को वैज्ञानिक तकनीक और बेहतर विपणन के माध्यम से व्यापक बाजार उपलब्ध कराया जा सकता है। इससे स्थानीय किसानों, महिला समूहों और युवाओं की आजीविका मजबूत होगी।

केदारनाथ हिमालय से वैश्विक बाजारों तक महिला एवं युवा सशक्तीकरण के माध्यम से मोटे अनाजों की पारंपरिक विरासत का पुनरुद्धार विषय पर कार्यशाला हुई। इसका आयोजन रिपब्लिक फाउंडेशन सोसाइटी, उत्तराखंड और उत्तराखंड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद देहरादून के माध्यम से हुआ।

बैनोली गांव में साधु की हत्या से हड़कंप, खेत में मिला शव

रूद्रप्रयाग। जखोली ब्लॉक के अंतर्गत बैनोली गांव में एक साधु की हत्या का मामला सामने आने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। गांव स्थित गुणखेश्वर मंदिर के अर्चक महात्मा का शव खेत में मिलने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

ग्राम प्रधान बैनोली सूर्यप्रकाश नौटियाल ने बताया कि गांव की कुछ महिलाओं ने खेत में मंदिर के अर्चक महात्मा का शव पड़ा देखा। इसके बाद उन्होंने ग्रामीणों को इसकी सूचना दी। ग्रामीणों की ओर से घटना की जानकारी पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची।डीएसपी विकास पुंडीर ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर अगस्त्यमुनि और रुद्रप्रयाग से पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंचा। पुलिस ने शव बरामद कर मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।



उन्होंने बताया कि घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। घटना के बाद से गांव में शोक और दहशत का माहौल है। ग्रामीणों में इस घटना को लेकर चर्चा बनी हुई है।

उत्तराखंड सचिवालय में महिला अधिकारी से अभद्रता का आरोप

देहरादून। उत्तराखंड सचिवालय में एक महिला अनुभाग अधिकारी को कथित तौर पर परेशान करने, बार–बार फोन करने और उनका पीछा करने का मामला सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है। महिला अधिकारी की शिकायत पर सचिवालय प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है। वहीं, बुधवार को सचिवालय परिसर स्थित एटीएम चौक पर संबंधित कर्मचारी की पिटाई किए जाने से मामला और गंभीर हो गया। प्रकरण में शहर कोतवाली में मुकदमा भी दर्ज किया गया है। पुलिस अब शिकायत में लगाए गए आरोपों और मारपीट की घटना से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है।

फेसबुक पर ब्लॉक करने के बाद भी कॉल करने का आरोप

शिकायत के अनुसार, आरोपी कर्मचारी पंकज सिंह सहकारिता विभाग में चतुर्थ



श्रेणी कर्मचारी के पद पर तैनात है और सचिवालय में उप सचिव के कार्यालय से संबद्ध था। महिला अनुभाग अधिकारी ने सचिवालय प्रशासन को दी शिकायत में आरोप लगाया कि कर्मचारी उन्हें लगातार परेशान कर रहा था और बार–बार मोबाइल फोन पर कॉल करता था।महिला अधिकारी के मुताबिक, आरोपी ने पहले फेसबुक के माध्यम से संपर्क करने की कोशिश की थी। बाद में उसे फेसबुक पर ब्लॉक कर दिया गया, लेकिन इसके बावजूद कथित तौर पर फोन कॉल के माध्यम से संपर्क करने और परेशान करने का सिलसिला जारी रहा। शिकायत में कार्यालय तक पहुंचने, पीछा करने और अभद्र व्यवहार करने के आरोप भी लगाए गए हैं।

16 अक्टूबर को कार्यालय पहुंचकर अभद्रता का आरोप

महिला अधिकारी की शिकायत में कहा गया है कि 16 अक्टूबर 2026 को आरोपी उनके कार्यालय पहुंचा और कथित तौर पर अभद्र व्यवहार किया। शिकायत के अनुसार, इस दौरान आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया और महिला अधिकारी को घूरकर देखने तथा धमकी देने का भी आरोप है। महिला अधिकारी ने यह भी आरोप लगाया कि जब उनके सहयोगियों ने कर्मचारी को रोकने का प्रयास किया, तो उसने उनके साथ भी अभद्र व्यवहार किया।

इन आरोपों के सामने आने के बाद सचिवालय प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच की प्रक्रिया शुरू की। हालांकि, शिकायत में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

एटीएम चौक पर कर्मचारी की पिटाई, परिसर में अफरातफरी

बुधवार को सचिवालय परिसर स्थित एटीएम चौक पर संबंधित कर्मचारी के साथ मारपीट की घटना सामने आई। जानकारी के मुताबिक, कुछ सचिवालय कर्मियों ने कर्मचारी को घेरकर पीट दिया। घटना के बाद परिसर में अफरातफरी का माहौल बन गया और मामला चर्चा का विषय बन गया।

महिला अधिकारी को कथित तौर पर परेशान किए जाने की शिकायत और कर्मचारी की पिटाई की घटना के बाद प्रकरण ने तूल पकड़ लिया। सचिवालय संघ के अध्यक्ष दीपक जोशी ने भी पूरे घटनाक्रम की जानकारी प्रशासन को दी।

आरोपी को उप सचिव के कार्यालय से हटाकर मुख्यालय से संबद्ध किया

शिकायत मिलने के बाद सचिवालय प्रशासन ने आरोपी कर्मचारी को उप सचिव के कार्यालय से हटाकर मुख्यालय से संबद्ध कर दिया है। प्रशासनिक स्तर पर मामले की जांच की जा रही है। महिला अधिकारी ने अपनी शिकायत में सचिवालय में आउटसोर्स के माध्यम से तैनात कुछ कर्मचारियों के व्यवहार पर भी सवाल उठाए हैं।

रूस का एसयू-30 फाइटर जेट कलिनिनग्राद में दुर्घटनाग्रस्त, क्रू सुरक्षित

मॉस्को,एजेंसी। रूस का एक ताकतवर एसयू-30 मल्टीरोल फाइटर जेट शनिवार, 21 अक्टूबर को कलिनिनग्राद क्षेत्र में नियमित ट्रेनिंग उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस घटना ने बाल्टिक सागर के आसपास के रणनीतिक इलाकों को एक बार फिर चर्चा में ला दिया है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बताया कि विमान में सवार क्रू ने समय रहते इजेक्ट कर लिया और जमीन पर मौजूद सर्च एंड रेस्क्यू टीम ने उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि, मंत्रालय ने क्रू के सदस्यों की चोटों या विमान दुर्घटना के कारणों के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं दी है। एक रूसी समर्थक टेलीग्राम चैनल के अनुसार, विमान कलिनिनग्राद से लगभग 90 किलोमीटर पूर्व में चेर्न्याखोव्स्क शहर के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ। इस चैनल ने यह भी दावा किया कि दोनों पायलट घायल हुए और उन्हें सैन्य अस्पताल ले जाया गया, हालांकि रूसी रक्षा मंत्रालय ने इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। रक्षा मंत्रालय ने यह स्पष्ट किया कि दुर्घटना के समय विमान में कोई हथियार नहीं था। फिलहाल इस घटना को ट्रेनिंग उड़ान के दौरान हुआ एक हादसा माना जा रहा है, और उपलब्ध जानकारी में किसी बाहरी हमले या कार्रवाई की पुष्टि नहीं हुई है। एसयू-30 रूस का दो सीटों वाला एक उन्नत मल्टीरोल फाइटर जेट है। इसे हवा में दुश्मन के विमानों से मुकाबला करने और जमीन पर मौजूद लक्ष्यों पर हमला करने सहित विभिन्न सैन्य अभियानों के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसकी दो सीटों वाली संरचना पायलट और एक अन्य क्रू सदस्य को उड़ान और मिशन से जुड़े कामों के दौरान बेहतर समन्वय और कार्यभार प्रबंधन में मदद करती है, जिससे इसकी बहुमुखी क्षमता बढ़ जाती है। यह घटना रूस के कलिनिनग्राद क्षेत्र में हुई है, जो रूस का एक एक्सक्लेव (मुख्य भूभाग से अलग स्थित क्षेत्र) है। यह बाल्टिक सागर के तट पर स्थित है और नाटो सदस्य देशों पोलैंड और लिथुआनिया के साथ अपनी सीमा साझा करता है। अपनी रणनीतिक स्थिति के कारण, कलिनिनग्राद में रूस की भारी सैन्य उपस्थिति रहती है और इसे बाल्टिक सागर क्षेत्र में रूस के लिए एक महत्वपूर्ण भौगोलिक चौकी माना जाता है। इस संवेदनशील क्षेत्र में एक लड़ाकू विमान का दुर्घटनाग्रस्त होना, भले ही इसे एक प्रशिक्षण दुर्घटना बताया गया हो, क्षेत्रीय सुरक्षा और भू-राजनीतिक दृष्टिकोण से हमेशा महत्वपूर्ण माना जाता है।

पाकिस्तान, तुर्की, कतर और इंडोनेशिया ने बद्र रक्षा समझौते पर किए हस्ताक्षर

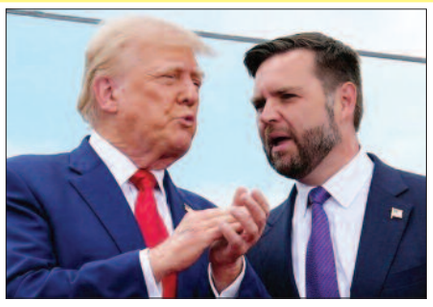
दोहा,एजेंसी। पाकिस्तान, तुर्की, कतर और इंडोनेशिया ने मिलकर रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इन चारों देशों ने बुधवार को कतर की राजधानी दोहा में एक बहुप्रतीक्षित 'बद्र समझौता ज्ञापन' पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते का प्राथमिक उद्देश्य रक्षा उत्पादन, सैन्य प्रशिक्षण और नई तकनीक के क्षेत्र में एक साथ मिलकर काम करना है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब पाकिस्तान और तुर्की जैसे देश पहले से ही अपने रक्षा संबंधों को मजबूत कर रहे हैं, और इसे उनकी रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के एक महत्वपूर्ण संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। समझौते का मुख्य जोर चारों देशों के बीच रक्षा उद्योग से जुड़े सहयोग को बढ़ाना है। इसके तहत ये देश अपनी मौजूदा रक्षा क्षमताओं और औद्योगिक अनुभव का प्रभावी ढंग से उपयोग करते हुए एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करेंगे। बद्र समझौते में तीन प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया गया है- पहला, रक्षा उत्पादन, जिसमें चारों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच तालमेल बढ़ाना और संयुक्त उत्पादन क्षमता को मजबूत करना शामिल है। दूसरा, सैन्य प्रशिक्षण, जिसमें सैनिकों और रक्षा क्षेत्र से जुड़े कर्मियों के प्रशिक्षण में गहन सहयोग करना है; और तीसरा, रिसर्च एवं नई तकनीक, जिसमें रक्षा से संबंधित अनुसंधान और विकास में साझा प्रयास करना है। यह त्रि-आयामी दृष्टिकोण उनकी सामूहिक रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

मध्यावधि चुनावों के बीच छिड़ी बहस 2028 में अमेरिका का राष्ट्रपति कौन?

ट्रंप ने इस पर कहा- इस बारे में बात करना अभी बहुत जल्दबाजी होगी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों की सरगर्मी के बीच देश की भावी राजनीति को लेकर नई बहस छिड़ गई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बाद रिपब्लिकन पार्टी का अगला चेहरा कौन होगा और 2028 के राष्ट्रपति चुनाव में उनकी जगह कौन ले सकता है, इसे लेकर कयास लगाए जाने लगे हैं। हालांकि, जब उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की दावेदारी को लेकर सवाल पूछा गया, तो राष्ट्रपति ट्रंप ने कोई भी सीधा समर्थन देने से परहेज करते हुए साफ कहा कि इस बारे में बात करना अभी बहुत जल्दबाजी होगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कई लोगों का मानना ??है कि ट्रंप के भरोसेमंद सहयोगी और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को उनकी जगह लेनी चाहिए, लेकिन फिलहाल ऐसा नहीं लगता कि ट्रंप, वेंस को अपना उत्तराधिकारी या अगले राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार के तौर पर समर्थन देने में दिलचस्पी रखते हैं। हाल ही में 80 साल के ट्रंप जो अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में अपना दूसरा कार्यकाल पूरा कर रहे हैं उनसे वाशिंगटन में व्हाइट हाउस में एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान यही सवाल पूछा गया कि उनके बाद कौन आ सकता है और क्या वह जेडी वेंस हो सकते हैं।



पत्रकार के सवाल का जवाब देते हुए ट्रंप ने कहा कि उन्होंने इस बारे में वेंस या किसी और से कभी कोई बात नहीं की है। उन्होंने कहा कि देखिए, मैं आपको इतना बता सकता हूं कि वेंस बहुत प्रतिभाशाली और अच्छे इंसान हैं, लेकिन सच कहूं तो... मुझे नहीं लगता कि हमने इस बारे में कभी कोई बातचीत की है। ट्रंप के ठीक पीछे खड़े वेंस ने मुस्कुराते हुए हामी भरी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा कि जी नहीं सर, मैंने भी यही कहा था। ट्रंप ने पत्रकार से कहा कि किसी का समर्थन करने के लिए अभी बहुत जल्दी है। फिलहाल वह और रिपब्लिकन पार्टी 3 नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनावों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

हालांकि इस बात पर बहस चल रही है कि ट्रंप के बाद कौन आएगा, लेकिन पिछले साल वेंस ने कहा था कि अगर कोई अनहोनी होती है, तो वह अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में जिम्मेदारी संभालने के लिए वह तैयार हैं। इससे परोक्ष रूप से देश के सर्वोच्च पद के लिए उनकी महत्वाकांक्षा झलकती है। पिछले साल अगस्त में एक इंटरव्यू में वेंस ने कहा था कि मुझे पूरा भरोसा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति की सेहत अच्छी है, वे अपना बचा हुआ कार्यकाल पूरा करेंगे और अमेरिकी लोगों के लिए बेहतरीन काम करेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि अगर ईश्वर न करे कोई बड़ी अनहोनी हो जाती है, तो पिछले 200 दिनों में मुझे जो अनुभव मिला है, उससे बेहतर ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग और क्या हो सकती है। हालांकि, ट्रम्प ने वेंस को अपना उत्तराधिकारी मानने से इनकार कर दिया है, जिसके चलते अब इस बात पर फिर से बहस छिड़ गई है कि 2028 के राष्ट्रपति चुनाव में उनकी जगह कौन लेगा। अमेरिकी संविधान के मुताबिक कोई भी व्यक्ति केवल दो बार ही राष्ट्रपति बन सकता है। ट्रम्प का पहला कार्यकाल 2016 से 2020 तक था, और उनका दूसरा कार्यकाल 2024 के बाद शुरू हुआ। वे 2028 तक इस पद पर बने रहेंगे।

रूस ने अमेरिकी नागरिक हबर्ड को बिना शर्त रिहा किया: ट्रंप का दावा

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि उनके व्यक्तिगत हस्तक्षेप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ हुई फोन बातचीत के बाद रूस ने अमेरिकी नागरिक स्टीफन हबर्ड को बिना किसी शर्त के रिहा किया है। व्हाइट हाउस में साइबर अपराध पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान ट्रंप ने बताया कि जब वे पुतिन से यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के मुद्दे पर बात कर रहे थे, तभी उन्होंने हबर्ड की रिहाई की मांग रखी थी, इस रूसी राष्ट्रपति ने तुरंत स्वीकार किया। हबर्ड को रिहा कर दिया गया है और वे अपने परिवार तथा अमेरिकी अधिकारियों के साथ विमान से वापस अमेरिका लौट रहे हैं। ट्रंप ने विशेष जोर दिया कि स्टीफन हबर्ड की रिहाई के बदले अमेरिका ने रूस को कोई रियायत या मुआवजा नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका कभी भी इसतरह के मामलों में बदले में कुछ देने की नीति पर काम नहीं करता, क्योंकि ऐसा करने से भावी समस्याएं और बढ़ जाती हैं। उन्होंने बताया कि हबर्ड और उनका परिवार इस फैसले से बेहद खुश हैं, क्योंकि उन्हें डर था कि हबर्ड को अगले 20-25 वर्षों तक जेल में ही सड़ना पड़ेगा। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि उन्होंने रूस के खिलाफ कड़े प्रतिबंध या आक्रामक कदम उठाने के दबाव को नजरअंदाज किया, क्योंकि ऐसा करने से न केवल यूक्रेन शांति वार्ता को नुकसान पहुँचता, बल्कि हबर्ड की रिहाई भी असंभव हो जाती। रूस के साथ-साथ ट्रंप ने वैश्विक मुद्दों और ईरान की स्थिति पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी कार्रवाइयों के कारण ईरान की सैन्य और आर्थिक ताकत बुरी तरह टूट चुकी है। उसकी वायु रक्षा प्रणाली और शीर्ष नेतृत्व प्रभावित हुए हैं, जिससे वह काफी कमजोर स्थिति में पहुँच गया है। ट्रंप ने इस बात पर राहत जताई कि मध्य पूर्व और अन्य क्षेत्रीय संघर्षों में रूस और चीन की भागीदारी बेहद सीमित रही है। उन्होंने कहा कि रूस और चीन दोनों ही युद्ध का शांतिपूर्ण समाधान चाहते हैं और अमेरिका इस दिशा में उनके साथ मिलकर काम कर रहा है।

अबू धाबी की मस्जिद में बुर्का पहनकर पहुँचीं मलाइका, उठे धर्म परिवर्तन के सवाल

आबूधाबी,एजेंसी। बॉलीवुड अभिनेत्री और मॉडल मलाइका अरोड़ा हाल ही में अबू धाबी स्थित प्रसिद्ध शेख जायद ग्रैंड मस्जिद के दर्शन करने पहुँचीं, इसके बाद वे सोशल मीडिया पर भारी ट्रोलिंग और विवादों में घिर गई हैं। मस्जिद परिसर से सामने आई तस्वीरों और वीडियो में मलाइका पारंपरिक बुर्के में दिख रही हैं, जिसमें उन्होंने अपना सिर पूरी तरह ढका हुआ है। इन तस्वीरों को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर करते ही इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने उन्हें आड़े हाथों लेना शुरू कर दिया। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने मलाइका की यात्रा पर आपत्ति जताकर धार्मिक पहनावे में मॉडलिंग करार दिया। वहीं, अनेक यूज़र्स ने सीधा सवाल पूछ लिया कि क्या उन्होंने इस्लाम धर्म अपना लिया है। कुछ ट्रोलर्स ने उनकी तुलना अन्य विवादित हस्तियों से की, तब कुछ ने यह तंज़ कसा कि क्या उन्होंने भारत के प्रसिद्ध राम मंदिर, जगन्नाथ मंदिर या तिरुपति बालाजी के दर्शन भी इतनी श्रद्धा के साथ किए हैं। इस मस्जिद यात्रा के दौरान मलाइका के साथ योग गुरु और सरवा वेलनेस प्लेटफॉर्म के संस्थापक सर्वेश शशि भी मौजूद थे। दोनों को एक साथ देखकर सोशल मीडिया पर उनके रिश्ते को लेकर भी कयासों का बाज़ार गर्म हो गया और यूज़र्स ने उनके बीच नए अफेयर की चर्चा शुरू कर दी। फोर्ब्स 30 अंडर 30 एशिया सूची में शामिल रह चुके सर्वेश और मलाइका की साथ में कई तस्वीरें वायरल हो रही हैं। हालाँकि, अपने धर्म परिवर्तन की अफ़वाहों, सर्वेश शशि के साथ जुड़ रहे नाम और सोशल मीडिया पर हो रही भयंकर ट्रोलिंग को लेकर मलाइका की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान या प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।



यूएन में भारत ने पाकिस्तान को दिखाया आईना, आतंकवाद और दाऊद को लेकर घेरा

पुरी ने दो टूक कहा- आतंकवाद को किसी भी परिस्थिति में जायज नहीं ठहराया जा सकता

जेनेवा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान को आतंकवाद और अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के मुद्दे पर करारा जवाब दिया है। यूएन की थर्ड कमेटी में भारत के फर्स्ट सेक्रेटरी रघू पुरी ने स्पष्ट रूप से कहा कि रिपोर्टों में तथ्यात्मक गलतियां अस्वीकार्य हैं, खासकर जब डी-कंपनी के सरगना डॉन दाऊद इब्राहिम का अल-कायदा से संबंध बताने वाले संदर्भ को गलत तरीके से प्रस्तुत किया जा रहा हो।

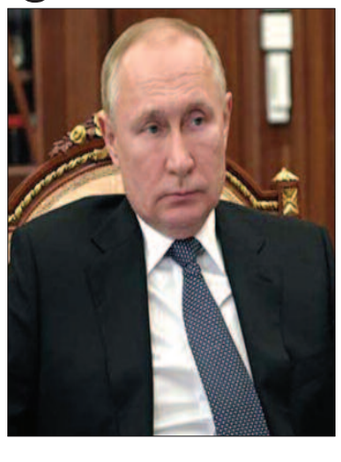
पुरी ने जोर देकर कहा कि दाऊद इब्राहिम 1993 से भारत में हुए आतंकवादी हमलों के सिलसिले में फरार है और संयुक्त राष्ट्र के 1267 प्रतिबंध तंत्र के तहत उसकी सूचीबद्धता के कारणों में भी इसका स्पष्ट उल्लेख है। उन्होंने पाकिस्तान को आईना दिखाते हुए ओसामा बिन लादेन का उदाहरण दिया, जिसे उसी देश में खोजकर मार गिराया गया था, जहां दाऊद इब्राहिम के रहने की बात कही जाती है। यह अप्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तान की उस पुरानी बात को खारिज करता है कि उसकी धरती पर कोई आतंकवादी नहीं है।



रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने साफ तौर पर कहा कि मानवाधिकारों के ढांचे को आतंकवादियों, कट्टरपंथ और उग्रवाद फैलाने वालों की शरणस्थली नहीं बनने दिया जा सकता। पुरी ने दो टूक शब्दों में कहा कि आतंकवाद को किसी भी परिस्थिति में जायज नहीं ठहराया जा सकता, चाहे कोई भी बहाना क्यों न दिया जाए। यह पाकिस्तान के उस रवैये पर सीधा हमला था। पाकिस्तान की तरफ से दिए गए बयान पर निशाना साधते हुए पुरी ने इसे संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए किया गया दुष्प्रचार बताया।

उन्होंने पाकिस्तान की आंतरिक राजनीति पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि वहां की सेना ही वास्तविक शासक है, जिससे पाकिस्तान के लोकतांत्रिक दावों की पोल खुलती है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्पष्ट संदेश दिया है कि वह आतंकवाद के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं करेगा और पाकिस्तान के किसी भी दुष्प्रचार का मुंहतोड़ जवाब देगा।

पुतिन अमेरिका और यूक्रेन से बातचीत के लिए सहमत: यूक्रेन युद्ध पर शांति वार्ता जारी



वाशिंगटन, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के लिए वाशिंगटन और कीव के साथ त्रिपक्षीय वार्ता फिर से शुरू करने पर सैद्धांतिक रूप से सहमत हो गए हैं। क्रेमलिन के विदेश मामलों के सलाहकार यूरी उशाकोव ने सेंट पीटर्सबर्ग में पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ के बीच करीब तीन घंटे चली बैठक के बाद यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रूसी नेता 10 नवंबर के बाद वार्ता फिर शुरू करने पर सहमत हुए हैं, जिसका केंद्र संघर्ष समाप्त होने के बाद रूस और यूक्रेन के लिए एक सुरक्षा व्यवस्था तैयार करना होगा।

विटकॉफ की पुतिन के साथ बातचीत ऐसे समय हुई, जब ट्रंप कीव पर लड़ाई रोकने के लिए समझौता करने का दबाव बना रहे हैं। बातचीत शुरू होने पर पुतिन ने युद्ध समाप्त करने के प्रयासों के लिए ट्रंप और विटकॉफ को धन्यवाद दिया। विटकॉफ का यह दौरा नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और यूरोप के कुछ नेताओं के साथ उनकी बैठक के एक दिन बाद हुआ था, जिसमें फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने वास्तविक प्रगति की बात कही थी। हालांकि, रूस और यूक्रेन के बीच समझौते की शर्तों को लेकर अब भी काफी मतभेद हैं, और जेलेंस्की ने युद्ध समाप्त करने के लिए रूस की ओर से संघर्ष को रोकना न्यूनतम शर्त बताया है। विटकॉफ ने पुतिन को ओस्लो में हुई बैठक के बारे में जानकारी देते हुए उसे 'उपयोगी' बताया और कहा कि शांति प्रयासों में 'कुछ हद तक गति' दिखाई दे रही है। उन्होंने पुतिन से रूस, यूक्रेन और अमेरिका के बीच तीन देशों की बातचीत फिर शुरू करने पर विचार करने की अपील की, जिसमें युद्ध रोकने और शांति समझौते तक पहुंचने के अगले कदमों पर चर्चा हो सकती है। इसी मुलाकात के दौरान एक बड़ी खबर सामने आई, जहां रूस ने 74 साल के अमेरिकी नागरिक स्टीफन हबार्ड को रिहा कर दिया, जो चार साल से ज्यादा समय से कैद में थे। ट्रंप ने इसे अपने प्रति सम्मान दिखाते हुए लिया गया फैसला बताया और कहा कि इसके बदले अमेरिका को कुछ नहीं देना पड़ा। इस बीच, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने मंगलवार को कहा कि मॉस्को यूक्रेन को लेकर अमेरिका के नए प्रस्ताव सुनने के लिए तैयार है, लेकिन उन्हें वाशिंगटन से किसी 'चमत्कार' की उम्मीद नहीं है। यूक्रेन के प्रधानमंत्री सेरही कोरेत्स्की ने बताया कि बुधवार तड़के रूसी हमलों में कीव और तीन अन्य शहरों में ऊर्जा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया, जिससे राजधानी में तीन लोगों की मौत हो गई और 12 लोग घायल हो गए। इन चुनौतियों के बावजूद, पुतिन की वार्ता के लिए सहमति युद्ध को समाप्त करने की कोशिशों को नई दिशा दे सकती है।

13 देशों के 101 संगठन गुप्त तरीके से भड़का रहे हिंसा की आग

भारत से फ्रांस तक हिंसक प्रदर्शनों के पीछे की कहानी

पेरिस,एजेंसी। दुनिया भर में भड़कने वाले हिंसक विरोध-प्रदर्शनों और जनांदोलनों के पीछे एक सुनियोजित अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट का सनसनीखेज पर्दाफाश हुआ है। एक विस्तृत खोजी रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि 13 देशों के 101 संगठन मिलकर एक ग्लोबल प्रोटेस्ट इकोसिस्टम चला रहे हैं। इस खुलासे के मुताबिक फ्रांस की सड़कों पर मचे बवाल से लेकर भारत और अन्य मुल्कों में युवाओं के नेतृत्व में होने वाले बड़े आंदोलनों के तार आपस में सीधे जुड़े हुए हैं।

यह नेटवर्क स्थानीय मुद्दों और जनआक्रोश को हवा देकर सीमाओं के पार अराजकता फैलाने और उसका दायरा बढ़ाने का काम कर रहा है। यह पड़ताल उस अदृश्य तंत्र की परतें खोलती है, जो पर्दे के पीछे से वैश्विक अशांति की स्क्रिप्ट तैयार करता है। इस सिंडिकेट में वामपंथी और समाजवादी संगठन, ट्रेड यूनियनें, छात्र गुट, एडवोकेसी नेटवर्क और कुछ मीडिया संस्थान सक्रिय रूप से शामिल हैं। यह नेटवर्क अलग-अलग देशों के स्थानीय असंतोष को एक मंच पर लाकर उसे अंतरराष्ट्रीय रंग देने की रणनीति अपनाता है। रिपोर्ट के अनुसार, एक देश में शुरू होने वाले विरोध-प्रदर्शन के संदेशों, नारों और एजेंडे को दूसरे देशों में तेजी से वायरल और संगठित करने में ये संगठन अहम भूमिका निभाते हैं।

नैरेटिव और टाइमिंग बिल्कुल एक जैसी

जांच में यह भी रेखांकित किया गया है कि अलग-अलग देशों की समस्याएं भले ही भिन्न हों, लेकिन उनके विरोध का तरीका, नैरेटिव और टाइमिंग बिल्कुल एक जैसी नजर आती है। यह पूरा ढांचा किसी सीमा में बंधा नहीं है, बल्कि एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की तरह काम करता है जो दुनिया भर में सरकारों के खिलाफ असंतोष भड़काने और विरोध को खाद-पानी देने के लिए तालमेल बिठाता है। एक पुरानी जांच में फ्रांस के छात्र विरोध-प्रदर्शनों से जुड़े 50 संगठनों की पहचान की गई थी, जो अब बढ़कर 101 तक पहुंच गई है।

इन संगठनों की भूमिका पर सवाल

इस जांच में 'इंडियन अलायंस पेरिस' का भी जिक्र है, जो फ्रांस में स्थित छात्रों, शोधकर्ताओं और पेशेवरों का एक संगठन है और फ्रांस व भारत के विरोध-प्रदर्शनों के संदेशों को आपस में जोड़ता है। 'प्रोग्रेसिव इंटरनेशनल' नामक अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक संगठन ने भी 16 अक्टूबर की एक ब्रीफिंग में फ्रांस, स्पेन, भारत और अल्बानिया में हो रहे विरोध-प्रदर्शनों को एक मंच पर लाने का काम किया। रिपोर्ट में नेविल रॉय सिंघम से जुड़े संगठनों जैसे 'ब्रेकथ्रू न्यूज़', 'कोडपिंक' और 'पार्टी फॉर सोशलिज्म एंड लिबरेशन' की भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया है, जो रिपोर्टिंग और सोशल मीडिया के जरिए विरोध प्रदर्शनों को व्यापक बनाते हैं। 'ट्राइकॉन्टिनेंटल' रिसर्च इंस्टीट्यूट के नेतृत्वकर्ता विजय प्रशांत ने भी 'एक्स' पर पेरिस, नई दिल्ली और ब्यूनस आयर्स में हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच समानताएं बताईं।

सऊदी अरब में हो रहे सिलसिलेवार हमलों से दहला खाड़ी क्षेत्र

दुबई, एजेंसी। सऊदी अरब में हाल ही में हुए सिलसिलेवार हमलों ने पूरे खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ा दिया है। एक ही दिन में देश के प्रमुख तेल ठिकाने और दम्माम के किंग फहद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को निशाना बनाया गया, जिसमें कुल तीन लोगों की मौत हो गई और कई घायल हुए। घायलों में एक भारतीय नागरिक भी शामिल है, जिससे सऊदी अरब में काम कर रहे विदेशी नागरिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं। सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्रालय ने बताया कि देश के दक्षिण-पूर्व में स्थित सऊदी अरामको के शायबा ऑयल फील्ड पर पहले ड्रोन हमले की कोशिश की गई। सऊदी एयर डिफेंस ने समय रहते इस ड्रोन को रोक लिया, लेकिन इसके मलबे से लगी आग की चपेट में आने से नेपाल और फिलीपींस के एक-एक नागरिक की दुर्भाग्यपूर्ण मौत हो गई।

किंग फहद इंटरनेशनल एयरपोर्ट हमले में एक भारतीय सहित दो लोगों की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। रियाद,(ईएमएस)। सऊदी अरब के दम्माम स्थित किंग फहद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुए भीषण हमले में दो लोगों की दर्दनाक मौत हुई, जबकि आठ अन्य लोग घायल हुए हैं। मृतकों में एक भारतीय और एक सऊदी नागरिक शामिल है। रियाद स्थित भारतीय दूतावास ने दुखद घटना की पुष्टि कर बताया कि घायलों में भी दो भारतीय नागरिक शामिल हैं। दूतावास अधिकारियों के अनुसार, वे स्थानीय प्रशासन से लगातार संपर्क में हैं और पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता पहुँचाने की कोशिश कर रहे हैं। सऊदी अरब की जनरल अथॉरिटी ऑफ सिविल एविएशन (जीएसीए) द्वारा जारी बयान के मुताबिक, बुधवार देर रात दम्माम हवाई अड्डे को निशाना बनाकर हमला किया गया था। इस हमले में कुल आठ लोग घायल हुए हैं, जिसमें भारत, यमन और बांग्लादेश के दो-दो नागरिक तथा सऊदी अरब और नेपाल का एक-एक निवासी शामिल है। घायलों में से कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है और उन्हें निकटतम अस्पतालों में इलाज के लिए भर्ती किया गया है। रियाद प्रशासन ने सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर हवाई अड्डे को हुए नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है।



प्राथमिक राहत और सुरक्षा जांच के बाद एयरपोर्ट पर परिचालन फिर से बहाल किया गया है और उड़ानों की आवाजाही सामान्य हो गई है। दम्माम फारस की खाड़ी के तट पर स्थित एक रणनीतिक शहर है, जो बहरीन और कतर के करीब है।

उल्लेखनीय है कि उसी रात सऊदी अरब के प्रमुख तेल ठिकानों को निशाना बनाया गया। अरामको की बड़ी रिफाइनरी पर हुए ड्रोन हमले में नेपाल और फिलीपींस के नागरिकों की मौत हो गई, जबकि एक भारतीय नागरिक घायल हुआ है। इन लगातार होते हमलों के बाद अमेरिका ने अपने राजनयिकों और सरकारी कर्मचारियों को परिजनों सहित सऊदी अरब छोड़ने की सलाह दी है।

बंदरों का आतंक, दहशत में लोग

आए दिन लोगों को जख्मी कर रहे बंदर

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : क्षेत्र में लगातार कटखने बंदरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। आए दिन बंदर राह चलते लोगों को काट रहे हैं। बंदरों के डर से लोगों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल होता जा रहा है। तमाम शिकायतों के बाद भी नगर निगम व वन विभाग आमजन की इस समस्या को गंभीरता से नहीं ले रहा। गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में शायद ही कोई ऐसा वार्ड हो, जहां बंदरों के झुंड घूमते नजर न आएं। आए दिन बढ़ रही बंदरों की संख्या ने शहरवासियों की चिंता बढ़ा दी है। सुबह से ही बंदर घरों में उत्पात मचाना शुरू कर देते हैं। बंदरों के कारण वार्डवासियों का अपने घरों की छत पर कपड़े व अनाज सुखाना भी मुश्किल हो गया है। झुंड में आ रहे बंदर आमजन पर भी हमला कर रहे हें। बंदरों के डर से बच्चों ने



घर के बाहर खेलना भी छोड़ दिया है। अभिभावकों को अपने बच्चों को स्कूल भेजने व लाने के लिए साथ में जाना पड़ रहा है। बंदरों ने घरों के बाहर खेतों में लगाई गई सब्जियों व फलों को भी बर्बाद कर दिया है। दरवाजे खुले होने पर बंदरों का झुंड घर के अंदर पहुंच जाता है। कुछ समय पूर्व मोहल्ला गोविंदनगर में बंदर से बचने के प्रयास में एक युवक घर की छत से गिर गया था, जिस पर गंभीर चोट आई।

बढ़ रहे बंदरों के हमले

कोटद्वार शहर में लगातार बंदरों के हमले भी बढ़ते जा रहे हैं। राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार के साथ ही निजी अस्पतालों में बंदरों के हमले में घायल व्यक्ति पहुंच रहे हैं। क्षेत्रवासी सुभाष सिंह, पुष्कर रावत, मनमोहन कुमार ने बताया कि पूर्व में वन विभाग व निगम ने बंदरों को पकड़ने के लिए अभियान चलाने की बात कही थी। लेकिन, आज तक यह अभियान धरातल पर नजर नहीं आ रहा है। बंदरों का आतंक इतना बढ़ गया है कि घर के बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है। बंदर छतों और आंगन में आकर सामान बिखेर देते हैं।

भालुओं की आवाजाही से दहशत, बच्चों का स्कूल जाना हुआ मुश्किल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : प्रखंड एकेश्वर के अंतर्गत थापली गांव में पिछले तीन दिनों से भालुओं की लगातार आवाजाही से ग्रामीणों में दहशत बनी हुई है। भालू दिन दहाड़े गांव के आसपास दिखाई दे रहे हैं, जबकि शाम ढलते ही इनकी संख्या बढ़कर तीन हो जा रही है। भालुओं की सक्रियता से ग्रामीणों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और भालुओं को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने की मांग की है।

ग्रामीण गंगा सिंह बिष्ट और शशि सिंह बिष्ट ने बताया कि भालू लगातार गांव के आसपास दिखाई दे रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार, जंगल में चारा-पत्ती लेने गई महिलाओं पर भालू झपट्टा मारने का प्रयास भी कर चुका है। इस घटना के बाद से ग्रामीणों में भय और बढ़ गया है। लोगों को जंगल की ओर जाने के साथ ही घरों से बाहर निकलने में भी सतर्कता बरतनी पड़ रही है। भालुओं की आवाजाही का असर बच्चों की पढ़ाई पर भी पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि भय के कारण बच्चे विद्यालय जाने से कतरा रहे हैं। वही, ग्रामीण अपनी रोजमर्रा की जरूरतों के लिए बाजार और अन्य स्थानों पर जाने से भी डर रहे हैं। लोगों को अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा की चिंता सता रही है। ग्रामीणों ने वन विभाग के उच्चाधिकारियों से मामले का तत्काल संज्ञान लेने, प्रभावित क्षेत्र में नियमित गश्त बढ़ाने और भालुओं की आवाजाही पर अंकुश लगाने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई नही की गई तो कोई अप्रिय घटना हो सकती है। उन्होंने वन विभाग से ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है।

डॉ. अतुल बमराड़ा को मिला सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : विद्यालयी शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सूचना व संचार प्रौद्योगिकी के नवाचारी प्रयोगों के लिए शिक्षाविद डॉ. अतुल बमराड़ा को राज्य शैक्षिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद उत्तराखंड द्वारा सम्मानित किया गया।

डॉ. बमराड़ा ने राज्य के यूके ई-सृजन' कार्यक्रम के तहत संचालित मूक 1.0 और 2.0 में विषय विशेषज्ञ और समीक्षक के रूप में साइबर सुरक्षा से संबंधित पाठ्यक्रम तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस पहल के तहत राज्य के 99 प्रतिशत से अधिक सरकारी शिक्षकों ने सतत व्यावसायिक विकास प्रशिक्षण में भाग लेकर आधुनिक तकनीकी दक्षताएं हासिल कीं। इसके अलावा, इस नवाचार को 27 से 29 नवंबर तक द एजुकेशन यूनिवर्सिटी ऑफ हांगकांग में आयोजित होने वाले यूनेस्को अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एलआईईटी में प्रस्तुत करने के लिए चुना गया है। विद्यालयी शिक्षा सचिव ज्योति यादव और अकादमिक शोध एवं प्रशिक्षण निदेशक वंदना गर्ब्याल ने डॉ. बमराड़ा को सम्मान प्रदान किया।

जनगणना 2027 की तैयारियां तेज, फील्ड ट्रेनरों को दिया प्रशिक्षण



जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जनगणना 2027 की तैयारियों के तहत फील्ड ट्रेनरों का प्रशिक्षण शुरू हो गया है। गुरुवार को नगर निगम के प्रेक्षागृह में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में देहरादून से पहुंचे विशेषज्ञों ने फील्ड ट्रेनरों को जनगणना की प्रक्रिया, सावधानियों और निर्धारित नियमों की जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान जनगणना में प्रत्येक परिवार को शामिल करने पर विशेष जोर दिया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर कमल कर्नाटक ने जनगणना की कार्यप्रणाली और समय-सारणी की जानकारी देते हुए बताया कि सर्वेक्षण के दौरान किसी भी परिवार को छूटने नहीं देना है। उन्होंने निर्धारित प्रपत्र में शामिल 40 प्रश्नों के बारे में विस्तार से समझाया और परिवारों से सही तरीके से जानकारी प्राप्त करने के तरीके बताए। साथ ही जनगणना से जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि जनगणना के लिए परिवारों को सामान्य परिवार, संस्थागत परिवार और बेघर परिवार की श्रेणियों में विभाजित किया गया है। इसी वर्गीकरण के आधार पर जनगणना की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। उन्होंने फील्ड ट्रेनरों को निर्देश दिए कि वे निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए पूरी सावधानी और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें, ताकि जनगणना के आंकड़े सटीक रहें। मास्टर ट्रेनर राकेश पोखरियाल ने बताया कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में कोटद्वार, यमकेश्वर, द्वारीखाल, चौबट्टाखाल, सतपुली, जाखणीधार और धुमाकोट तहसीलों से संबंधित फील्ड ट्रेनरों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद फील्ड ट्रेनर अगले चरण में सुपरवाइजरों और प्रगणकों को जनगणना की प्रक्रिया का प्रशिक्षण देंगे। इस मौके पर मास्टर ट्रेनर डॉ. गुंजन आरोही और शिवकुमार सहित अन्य संबंधित कार्मिक मौजूद रहे।

कार्यालय :- नगर निगम कण्वनगरी, कोटद्वार (पौड़ी) गढ़वाल

पत्रांकः- 3189/नि0अनु0/नि0का0 (43)/2026-27 दिनांकः- 22/10/2026

निविदा सूचना

नगर निगम कण्वनगरी कोटद्वार के पंजीकृत ठेकेदारो से निम्नलिखित निर्माण कार्यो की सील बन्द निविदाएँ दिनांक 07/11/2026 को अपराहन 02:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 26/10/2026 से दिनांक 06/11.2026 को अपराहन 02:00 तक किसी भी कार्य दिवस में निर्धारित शुल्क जमा करने के उपरान्त प्राप्त किये जा सकते है। प्राप्त निविदाएँ दिनांक 07/11/2026 को सायं 04:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी। किसी भी दर/निविदा को अस्वीकृत अथवा निरस्त करने का सम्पूर्ण अधिकार नगर आयुक्त, नगर निगम कोटद्वार के पास सुरक्षित होगा। सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क + 18%GST	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा की वैधता	श्रेणी
1	वार्ड नं0 1 में श्री प्रदीप रावत के घर से श्रीमती शांता पुरोहित के घर की ओर सी0सी0 सडक व पी0वी0सी0 पाईप द्वारा नाली व चैम्बर का निर्माण कार्य।	24,200	1000+180	60 दिन	45 दिन	'B' and above
2	वार्ड नं0 2 में शिव मन्दिर के सामने से श्री कुलदीप सिंह रावत के घर की ओर नाली पर गार्डर एम0एस0 जाल का निर्माण कार्य।	11,400	500+90	60 दिन	45 दिन	'B' and above
3	वार्ड नं0 2 में श्री जयपाल सिंह नेगी के घर से श्री दिलबर सिंह के घर व नीलम भट्ट के घर की ओर सी0सी0 सडक का निर्माण कार्य।	29,500	1000+180	60 दिन	45 दिन	'B' and above
4	वार्ड नं0 2 रामपुर कुम्भीचौड में गूल के ऊपर एम0एस0 जाल का निर्माण कार्य।	73,400	2000+360	60 दिन	45 दिन	'A'
5	वार्ड नं0 3 लालपानी में मुख्य मार्ग से श्री विनोद पाण्डे जी के घर की ओर इन्टरलॉकिंग टाईल्स द्वारा सडक का निर्माण कार्य।	22,700	1000+180	60 दिन	45 दिन	'C' and above
6	वार्ड नं0 4 में स्व0 गिरीश चन्द्र कुकरेती के घर से श्री दीपक गुसांई के घर की ओर सी0सी0 सडक का निर्माण कार्य।	10,300	500+90	60 दिन	45 दिन	'C' and above
7	वार्ड नं0 4 सिद्धबली मन्दिर के सामने एन0एच0 रोड पर एम0एस0 स्वागत द्वार का निर्माण कार्य।	17,200	1000+180	60 दिन	45 दिन	'C' and above
8	वार्ड नं0 6 काशीरामपुर तल्ला में गणेश बिहार कालोनी में क्षतिग्रस्त नाली का पुनः निर्माण कार्य।	24,000	1000+180	60 दिन	45 दिन	'C' and above
9	वार्ड नं0 6 में मुख्य मार्ग से श्री चंदन भण्डारी के घर से स्व0 दलवीर सिंह बिष्ट के घर की ओर इन्टरलॉकिंग टाईल्स द्वारा सडक का निर्माण कार्य।	43,800	1500+270	60 दिन	45 दिन	'B' and above
10	वार्ड नं0 7 कौडिया में पुल के पास सुरक्षा दीवार का निर्माण कार्य।	24,100	1000+180	60 दिन	45 दिन	'C' and above
11	वार्ड नं0 7 कौडिया में एन0एच0 रोड पर एम0एस0 स्वागत द्वार का निर्माण कार्य।	17,200	1000+180	60 दिन	45 दिन	'C' and above
12	वार्ड नं0 9 में सीता शर्मा के घर से श्री अग्रवाल जी के घर तक व श्री सुधांसु के घर से श्री डोगरा जी के घर की ओर इन्टरलॉकिंग टाईल्स द्वारा सडक का निर्माण कार्य।	20,700	1000+180	60 दिन	45 दिन	'C' and above
13	वार्ड नं0 11 में श्री राकेश कोटनाला से परमेश्वरी पैलेस में श्रीमती लक्ष्मी मैन्दोला के घर की ओर सी0सी0 सडक का निर्माण कार्य।	17,800	1000+180	60 दिन	45 दिन	'C' and above
14	वार्ड नं0 11 में श्री राजेन्द्र शिवाली, रामगोपाल के घर की ओर सी0सी0 सडक व नाली स्लैब का निर्माण कार्य।	10,000	500+90	60 दिन	45 दिन	'C' and above
15	वार्ड नं0 15 में श्री सुकराम भाटिया के घर से श्री सोनू के घर की ओर सी0सी0 द्वारा सडक का निर्माण कार्य।	17,900	1000+180	60 दिन	45 दिन	'C' and above
16	वार्ड नं0 17 मानपुर में शिवशक्ति मन्दिर वाली गली के अन्तिम छोर मे इन्टरलॉकिंग टाईल्स द्वारा सडक का निर्माण कार्य।	12,700	500+90	60 दिन	45 दिन	'C' and above
17	वार्ड नं0 17 में श्री हरेन्द्र सिंह के घर से श्री मिलन मैदोला के घर तक एवं श्रीमती मुन्द्रा देवी के घर से श्री इन्द्र विक्रम सिंह के घर की ओर सी0सी0 सडक एवं सोक्ता पिट का निर्माण कार्य।	13,000	500+90	60 दिन	45 दिन	'C' and above
18	वार्ड नं0 18 में श्रीमती अरूणा रावत की दुकान से श्री मोहन सिंह के घर की ओर इन्टरलॉकिंग टाईल्स द्वारा सडक का निर्माण कार्य।	20,300	1000+180	60 दिन	45 दिन	'C' and above
19	वार्ड नं0 20 पदमपुर सुखरौ में पुरानी सिंचाई नहर के क्षतिग्रस्त स्लैबों का निर्माण कार्य।	13,300	500+90	60 दिन	45 दिन	'C' and above
20	वार्ड नं0 20 में एकतापुरम कालोनी में श्री धनवीर सिंह रावत के घर से श्री रविन्द्र नेगी के घर की ओर इन्टरलॉकिंग टाईल्स द्वारा सडक का निर्माण कार्य।	39,000	1500+270	60 दिन	45 दिन	'B' and above
21	वार्ड नं0 21 में मुख्य मार्ग मनोज कुमार के घर से श्री खुशाल सिंह के घर की ओर इन्टरलॉकिंग टाईल्स द्वारा सडक का निर्माण कार्य।	19,300	1000+180	60 दिन	45 दिन	'C' and above
22	वार्ड नं0 21 में मुख्य मार्ग से श्री मनवर सिंह आर्य के घर से श्री मदन सिंह के घर की ओर इन्टरलॉकिंग टाईल्स द्वारा सडक का निर्माण कार्य।	16,100	1000+180	60 दिन	45 दिन	'C' and above
23	वार्ड नं0 23 में मुख्य मार्ग से धीरेन्द्र सिंह नेगी व जीतार सिंह रावत के घर की ओर इन्टरलॉकिंग टाईल्स द्वारा सडक का निर्माण कार्य।	7,900	500+90	60 दिन	45 दिन	'C' and ¶F
24	वार्ड नं0 23 पंचायत घर के निकट सडक से विनोद डबराल के घर की ओर इन्टर लॉकिंग टाईल्स द्वारा सडक का निर्माण कार्य।	8800.00	500+90	60 दिन	45 दिन	'C' and above
25	वार्ड न0 25 हरिसिंगपुर में बालासौड रोड से वीरेन्द्र सिंह रावत जी के घर की ओर इन्टर लॉकिंग टाईल्स द्वारा सडक का निर्माण कार्य।	10400.00	500+90	60 दिन	45 दिन	'C' and above
26	वार्ड न0 25 मुख्य मार्ग से पुष्पा गोस्वामी के घर तक सी0सी0 मार्ग का निर्माण कार्य।	10500.00	500+90	60 दिन	45 दिन	'C' and above
27	वार्ड नं0 25 हरिसिहपुर बी0एल0 रोड से राजेन्द्र के घर की ओर सी0सी0 मार्ग का निर्माण कार्य।	12500.00	500+90	60 दिन	45 दिन	'C' and above
28	वार्ड नं0 27 में श्री धनवीर के घर से श्री प्रभुदयाल के घर की ओर व श्री भगवान सिह रावत के घर से श्री हरी सिह के घर की ओर इन्टर लॉकिग टाईल्स का निर्माण कार्य।	15600.00	1000+180	60 दिन	45 दिन	'C' and above
29	वार्ड नं0 28 निम्बूचौड खादरी में इंदु जोशी जी के घर से चंद्रकला कुकरेती जी के घर की ओर इन्टर लॉकिग टाईल्स का निर्माण कार्य।	12400.00	500+90	60 दिन	45 दिन	'C' and above
30	वार्ड नं0 28 में श्री दिनेश चंद डबराल के घर से सुरेश जदली के घर की ओर इन्टर लॉकिग टाईल्स का निर्माण कार्य।	15500.00	1000+180	60 दिन	45 दिन	'C' and above
31	वार्ड नं0 29 धनानंद बिहार कॉलोनी में श्रीमती सुमित्रा देवी के घर से श्री आनन्द सिह के घर कीओर व अंजू देवी के घर के सामने इन्टर लॉकिंग टाईल्स का निर्माण कार्य।	20600.00	1000+180	60 दिन	45 दिन	'C' and above
32	वार्ड न0 29 धमुडपुर हरिद्वार मुख्य मार्ग से श्री संदीप रावत व श्रीमती सुमित्रा रावत के घर की ओर इन्टर लॉकिग टाईल्स का निर्माण कार्य।	13300.00	500+90	60 दिन	45 दिन	'C' and above
33	वार्ड नं0 29 भीम कॉलोनी में श्री कुलानन्द जी के घर से श्रीमती सरिता देवी जी के घर की ओर सी0सी0 सडक का निर्माण कार्य।	21600.00	1000+180	60 दिन	45 दिन	'C' and above
34	वार्ड न0 30 नन्दपुर में श्री रघुवीर सिह रावत के घर से श्रीमती अंजलि देवी के घर की ओर इन्टर लॉकिग टाईल्स का निर्माण कार्य।	8900.00	500+90	60 दिन	45 दिन	'C' and above
35	वार्ड नं0 30 में श्री राजेन्द्र सिह रावत के घर से श्री सुखवीर सिह के घर तक इन्टर लॉकिग टाईल्स का निर्माण कार्य।	21800.00	1000+180	60 दिन	45 दिन	'C' and above
36	वार्ड नं0 31 में हरिद्वार मुख्य मार्ग से श्री अमरदीप गुसाई के घर से प्रदीप गुसाई के घर की ओर इन्टर लॉकिग टाईल्स का निर्माण कार्य।	23500.00	1000+180	60 दिन	45 दिन	'C' and above
37	वार्ड नं0 32 आर0सी0डी0 मुख्य मार्ग से श्री अशोक नेगी के घर से श्री रविन्द्र बिष्ट के घर की ओर इन्टर लॉकिग टाईल्स का निर्माण कार्य।	19000.00	1000+180	60 दिन	45 दिन	'C' and above
38	38 वार्ड न0 33 लछमपुर में श्री देवेन्द्र के घर से श्री आशीष कोटनाला के घर की ओर इन्टर लॉकिग टाईल्स का निर्माण	10800.00	500+90	60 दिन	45 दिन	'C' and above
39	वार्ड नं0 35 में पी0ए0श्री0 शहीद लांसनायक धनवीर सिह राणा राजकीय बालिका इंटर कालेज में इन्टर लॉकिग टाईल्स मार्ग तथा प्रार्थना स्थल पर इन्टर लॉकिग टाइल्स का निर्माण कार्य।	71800.00	2000+360	60 दिन	45 दिन	'A' and above
40	वार्ड नं0 36 में मुख्य मार्ग से श्रीमती पूजा सत्ती के घर की ओर इंटर लॉकिग टाईल्स सडक व नाली का निर्माण कार्य।	6600.00	500+90	60 दिन	45 दिन	'C' and above
41	वार्ड न0 36 चिल्लरखाल में लो0 नि0 विभाग रोड पर एम0एस0 स्वागत द्वार का निर्माण कार्य।	18000.00	1000+180	60 दिन	45 दिन	'C' and above
42	वार्ड नं0 37 पश्चिमी झंडीचोड हाईस्कूल के पास मुख्य मार्ग से श्री सोहन सिह बिष्ट के घर की ओर इन्टर लॉकिंग टाईल्स का निर्माण कार्य।	16900.00	1000+180	60 दिन	45 दिन	'C' and above
43	वार्ड नं0 38 में मुख्य मार्गसे श्री सुरेन्द्र सिह नेगी के घर व श्री अर्जुन सिह नेगी के घर की ओर इन्टर लॉकिंग टाईल्स का निर्माण कार्य।	18300.00	1000+180	60 दिन	45 दिन	'C' and above

सहायक नगर आयुक्त,
नगर निगम कण्वनगरी, कोटद्वार।

रणजी ट्रॉफी : हिमाचल प्रदेश के खिलाफ मुंबई की बड़ी जीत, पंजाब भी जीता



नई दिल्ली। मुंबई ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मैच में हिमाचल प्रदेश को पारी और 97 रन से हराकर बोनस अंक के साथ लगातार दूसरी जीत दर्ज की। रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर के मुकाबले में कई मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए, लेकिन मुंबई और पंजाब ने जीत दर्ज की। पहली पारी आठ विकेट पर 528 रन पर घोषित करने के बाद मुंबई ने पहली पारी में हिमाचल को 140 रन पर ढेर करके फॉलोऑन के लिए मजबूर किया और फिर दूसरी पारी में भी टीम को 291 रन पर ढेर करके आसान जीत दर्ज की। दूसरी पारी में मुंबई की ओर से तेज गेंदबाज मोहित अवस्थी ने 44 रन देकर पांच विकेट चटकाए, जबकि तुषार देशपांडे और शम्स मुलानी को दो-दो विकेट मिले। तेज गेंदबाज सिलवेस्टर डिसूजा ने एक विकेट हासिल किया।

हिमाचल की ओर से कप्तान पुखराज मान ने 50 जबकि वैभव काल्टा ने 63 रन का योगदान दिया। हिमाचल की टीम अंतिम दिन तीन विकेट पर 144 रन से आगे खेलने उतरी जिसके बाद मान और काल्टा ने अर्धशतक पूरे किए। पहले मैच में चंडीगढ़ को पारी और 155 रन से हराने वाली मुंबई की टीम दो मैच में 14 अंक के साथ तालिका में शीर्ष पर है।

जयपुर में मेजबान राजस्थान को रेलवे ने ड्रॉ पर रोका। राजस्थान ने हालांकि पहली पारी की बढ़त के आधार पर तीन अंक हासिल किए। राजस्थान ने पहली पारी में 497 रन बनाए थे और फिर रेलवे को 338 रन पर समेटकर 159 रन की बढ़त के आधार पर मेहमान टीम को फॉलोआन दिया। रेलवे ने जब दूसरी पारी में दो विकेट पर 174 रन बनाए थे जब मैच ड्रॉ घोषित किया गया। दूसरी पारी में रेलवे के लिए मोहम्मद सैफ ने नाबाद 103 जबकि ईशान गोयल ने नाबाद 57 रन बनाए। इससे पहले ग्रुप के अन्य मुकाबलों में तमिलनाडु ने उत्तराखंड को पारी और 66 रन जबकि हरियाणा ने चंडीगढ़ को पारी और 24 रन से हराया।

पंजाब की जीत में चमके हरजस, एमनजोत

स्पिनर हरजस सिंह और एमनजोत सिंह के तीन तीन विकेट की मदद से पंजाब ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप बी के मैच में बुधवार को छत्तीसगढ को सात विकेट से हराया। पहली पारी में 456 रन बनाने के बाद पंजाब ने छत्तीसगढ को 206 रन पर आउट करके फॉलोआन खेलने पर मजबूर किया। छत्तीसगढ ने दूसरी पारी में 335 रन बनाए जिससे पंजाब को जीत के लिए 86 रन का लक्ष्य मिला। छत्तीसगढ के लिए आयुष पांडे ने 252 गेंद में 111 रन बनाए, जबकि अमनदीप खरे भी अर्धशतक जमाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। दोनो ने चौथे विकेट के लिए 122 रन की साझेदारी की। पंजाब के लिए हरजस ने 92 रन देकर और एमनजोत ने 43 रन देकर तीन तीन विकेट लिए। पंजाब ने 16.5 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। दूसरी पारी में भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल ने बल्लेबाजी नहीं की। पहली पारी में उन्होंने एक रन बनाया था।

केरल ने ओडिशा को पारी और 36 रन से हराया

अनुभवी ऑलराउंडर जलज सक्सेना ने दूसरी पारी में पांच विकेट लेकर फॉलोऑन खेल रहे ओडिशा को 143 रन पर समेट दिया जिससे केरल ने बुधवार को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी मुकाबले में पारी और 36 रन से जीत दर्ज की। इस जीत से केरल अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। बंगाल लगातार दूसरी जीत के साथ शीर्ष पर है और उसके खाते में 12 अंक हैं। फॉलोऑन खेलते हुए दूसरी पारी में बुधवार को चार विकेट पर 102 रन से आगे खेलने उतरी ओडिशा की टीम ने अपने बाकी छह विकेट महज 41 रन के भीतर गंवा दिए।

संक्षिप्त समाचार

बायर्न म्यूनिख और आर्सेनल के बीच मैच 2-2 से ड्रॉ

म्यूनिख । बायर्न म्यूनिख और आर्सेनल के बीच खेला गया चैंपियंस लीग मैच 2-2 से ड्रॉ रहा। इस मैच के 10वें मिनट में विंगर बुकायो साका को मैदान से बाहर जाना पड़ा। आर्सेनल के मैनेजर मिकेल आर्टेटा ने कहा कि साका की जांघ की चोट बिल्कुल भी सही नहीं लग रही है। काई हावर्ट्ज ने एक खतरनाक स्थिति में साका की तरफ गेंद बढ़ाई, लेकिन बायर्न के डिफेंस ने उन्हें घेर लिया। यह साका का इस मैच में आखिरी योगदान साबित हुआ, क्योंकि 9 मिनट बाद ही उन्हें चोट (बिना किसी टक्कर के) के कारण मैदान से बाहर जाना पड़ा। उनकी जगह एबेरे एजे मैदान पर आए।



आर्टेटा ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'यह उनकी जांघ की चोट है। यह मैच की शुरुआत में ही हो गई थी। उनके खेल में जिस स्तर की तीव्रता की जरूरत होती है, वह वाकई कमाल की है।इसमें बेहतरीन क्वालिटी, ताकत और पूरे ध्यान की जरूरत होती है, जो कि उच्चतम स्तर पर होना चाहिए। हालांकि, दुर्भाग्य से, ऐसी चीजें हो जाती हैं। यह बिल्कुल भी सही नहीं लग रही है, लेकिन हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि आगे क्या होता है। ' जब उनसे पूछा गया कि क्या साका की चोट से अन्य अटैकिंग खिलाड़ियों को मौके मिलेंगे, तो आर्टेटा ने कहा, 'मैं अपने सभी फॉरवर्ड खिलाड़ियों से बहुत प्रभावित हूं। मुझे लगता है कि एजे ने बहुत अच्छा खेल दिखाया, न सिर्फ गोल किया, बल्कि उनके बाकी एक्शन, कुल प्रदर्शन और बिना गेंद के भी उनका खेल शानदार रहा। जब बाकी खिलाड़ी मैदान पर आए, तो उन्होंने टीम में ऊर्जा भरी और मैच से कुछ हासिल करने के लिए जरूरी चीजें प्रदान कीं। इसी कारण मैं एक बार फिर बहुत खुश हूं। '

निंगबो ओपनः जैस्मीन पाओलिनी को हराकर बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

निंगबो । अमेरिका की युवा खिलाड़ी इवा जोविक ने निंगबो ओपन में शानदार डेब्यू किया है। गुरुवार को सेंटर कोर्ट पर हुए राउंड-16 के मैच में उन्होंने दो बार ग्रैंड स्लैम फाइनल खेल चुकीं जैस्मीन पाओलिनी को हराया। चौथी वरीयता प्राप्त जोविक को पहले राउंड में 'बाय' (सीधे अगले राउंड में प्रवेश) मिला था। पहले सेट में 1-3 से पिछड़ने के बाद उन्होंने वापसी की और पाओलिनी को 6-4, 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। 18 वर्षीय जोविक की सर्विस पहले सेट में एक बार ब्रेक हुई थी और वह 1-3 से पीछे चल रही थीं। हालांकि, धीमी शुरुआत के बाद उन्होंने वापसी की और पांचवें तथा नौवें गेम में पाओलिनी की सर्विस ब्रेक करके पहला सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में भी इटली की खिलाड़ी पाओलिनी को अपनी सर्विस के साथ संघर्ष करना पड़ा, और जोविक ने चार बार उनकी सर्विस ब्रेक की। हालांकि, इस दौरान अमेरिकी खिलाड़ी जोविक की भी दो बार सर्विस ब्रेक हुई, लेकिन फिर भी उन्होंने दूसरा सेट जीतकर सीधे सेटों में जीत हासिल कर ली।इस जीत के साथ जोविक और पाओलिनी के बीच हेड टू हेड मुकाबलों का रिकॉर्ड 2-2 की बराबरी पर आ गया है। यह पाओलिनी के खिलाफ जोविक की लगातार दूसरी जीत है। इससे पहले, उन्होंने इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन में भी पाओलिनी को हराया था।

भारत ने टी20 में अपना सबसे बड़ा रनचेज किया पहले मैच में न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराया



नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी-20 मुकाबले में शानदार जीत दर्ज करते हुए नया इतिहास रच दिया। टीम इंडिया ने 226 रन के लक्ष्य को 19।4 ओवर में 6 विकेट खोकर हासिल कर लिया और मुकाबला 4 विकेट से अपने नाम किया। इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की टी-20 सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली।

मैच के आखिरी ओवरों में भारतीय बल्लेबाजों ने दबाव के बीच बेहतरीन प्रदर्शन किया। नमन धीर ने छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। भारत की इस जीत की सबसे खास बात यह रही कि टीम ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना सबसे बड़ा सफल रन चेज दर्ज किया।

न्यूजीलैंड ने बनाए 225 रन

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 225 रन बनाए। कीवी बल्लेबाजों ने आक्रामक अंदाज में रन बटोरे और भारतीय गेंदबाजों के सामने बड़ा लक्ष्य रखा।न्यूजीलैंड ने इस स्कोर के साथ भारत के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में अपने सबसे बड़े स्कोर की बराबरी की। भारतीय टीम के सामने जीत के लिए 226 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य था।

संजू सैमसन और श्रेयस अय्यर ने संभाली पारी

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचने के लिए मजबूत बल्लेबाजी की जरूरत थी। संजू सैमसन ने 67 रन की शानदार पारी खेलकर रन चेज को मजबूती दी। वहीं, कप्तान श्रेयस अय्यर ने 42 रन बनाकर टीम की जीत की राह आसान की।भारतीय बल्लेबाजों ने जरूरी रन गति बनाए रखी और मुकाबले को आखिरी ओवरों तक पहुंचाया। दबाव के बावजूद टीम ने लक्ष्य हासिल करने का सिलसिला जारी रखा।

नमन धीर के छक्के से भारत ने दर्ज की जीत

मैच का निर्णायक पल तब आया, जब नमन धीर ने छक्का लगाकर भारत की जीत सुनिश्चित की। उनकी इस फिनिशिंग ने भारतीय खेमे में जश्न का माहौल बना दिया।भारत ने 19.4 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया और न्यूजीलैंड को चार विकेट से शिकस्त दी। बड़े लक्ष्य का सफल पीछा करने के साथ ही टीम इंडिया ने सीरीज में भी बढ़त हासिल कर ली।

भारत ने तोड़ा अपना पुराना रिकॉर्ड

इस मुकाबले से पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत का सबसे बड़ा सफल रन चेज 208 रन का था। टीम ने 2019 में हैदराबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ यह लक्ष्य हासिल किया था।न्यूजीलैंड के खिलाफ 226 रन का लक्ष्य पूरा करके भारत ने अपने पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इस जीत ने भारतीय टीम की बल्लेबाजी क्षमता और बड़े लक्ष्य का पीछा करने की ताकत को भी दर्शाया। पांच मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला जीतने के बाद अब भारतीय टीम की नजर अगले मैच में भी जीत दर्ज कर अपनी बढ़त मजबूत करने पर होगी।

नमन ने 17 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

नमन धीर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में 15 गेंदों पर नाबाद 42 रन की पारी खेलकर इतिहास रच दिया। वह टी20 अंतरराष्ट्रीय में सफल रन चेज के दौरान भारत के लिए सातवें या उससे निचले क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए। नमन ने इरफान पठान का 17 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। इरफान ने 2009 में कोलंबो (आरपीएस) में श्रीलंका के खिलाफ सफल रन चेज के दौरान सातवें या उससे निचले क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए 16 गेंदों में नाबाद 33 रन बनाए थे।

न्यूजीलैंड का खराब रिकॉर्ड जारी

न्यूजीलैंड को अपने घरेलू मैदान पर भारत के खिलाफ पिछले आठ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में से सात में हार का सामना करना पड़ा है। इस दौरान उसे सिर्फ एक मुकाबले में हार नहीं मिली। नेपियर में 2022 में खेला गया वह मैच डकवर्थ-लुईस-स्टर्न (डीएलएस) नियम के आधार पर टाई रहा था।

3 बल्लेबाजों ने पहली गेंद पर जड़ा छक्का

न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल, बेवन जैकब्स और भारत के अभिषेक शर्मा ने इस मुकाबले में अपनी-अपनी पारी की पहली गेंद पर छक्का लगाया। पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक ही मैच में तीन बल्लेबाजों द्वारा पहली गेंद पर छक्का लगाने का यह संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा का रिकॉर्ड है। इससे पहले भी चार मौकों पर ऐसा हो चुका है। हालांकि, उन चार पुराने मुकाबलों में से सिर्फ एक मैच दो पूर्ण सदस्य देशों के बीच खेला गया था। 2018 में हैमिल्टन में न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच हुए टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में लियाम डॉसन, क्रिस जॉर्डन और कॉलिन मुनरो ने अपनी पारी की पहली गेंद पर छक्का लगाया था।

पैरा एशियन गेम्स में भारत का रहा गोल्डन डे

4 सिल्वर और 15 ब्रॉन्ज भी जीते

नागोया। भारत ने पैरा एशियन गेम्स में गुरुवार को 6 गोल्ड, 4 सिल्वर और 15 ब्रॉन्ज मेडल जीते। इसके साथ ही भारत के कुल मेडल की संख्या 86 हो गई। पैरा तीरंदाजी में शीतल देवी और तोमर कुमार की जोड़ी ने कंपाउंड मिक्स्ड टीम इवेंट में गोल्ड जीता। शीतल ने महिलाओं के कंपाउंड इंडिविजुअल इवेंट में भी सोना अपने नाम किया।एथलेटिक्स में शैलेश कुमार ने पुरुषों की हाई जंप में 1.89 मीटर की छलांग लगाकर गेम्स रिकॉर्ड बनाया और गोल्ड जीता। दिलीप गावित ने पुरुषों की 400 मीटर T47 और अंजनाबेन बुम्बाडिया ने महिलाओं की 400 मीटर T47 स्पर्धा में सोना अपने नाम किया। सुवर्णा राज ने भी गोल्ड मेडल जीता।



एथलेटिक्स : दिलीप ने लगातार दूसरी बार गोल्ड जीता

पैरा एथलेटिक्स की पुरुषों की 400 मीटर T47 स्पर्धा में दिलीप महादू गावित ने 48.27 सेकेंड के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता। भाविककुमार भरवाड़ ने 49.31 सेकेंड के समय के साथ सिल्वर मेडल अपने नाम किया। दिलीप ने 2022 के पैरा एशियन गेम्स में भी गोल्ड जीता था।

भारत ने हाई जंप में क्लीन स्वीप किया

पैरा एथलेटिक्स की पुरुषों की हाई जंप T42/T63 स्पर्धा में भारत ने तीनों मेडल जीतकर पोडियम पर कब्जा जमाया। शैलेश कुमार ने 1.89 मीटर की छलांग लगाकर गोल्ड मेडल जीता और नया गेम्स रिकॉर्ड बनाया। वरुण सिंह भाटी ने 1.84 मीटर की छलांग के साथ सिल्वर और राहुल ने 1.81 मीटर के साथ ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। भारत ने 2022 के बाद लगातार दूसरी बार इस स्पर्धा के तीनों मेडल जीते।

8 बार की व चैंपियन को 30 मिनट में हराया !

18 साल की अनाहत ने किया बड़ा उलटफेर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की युवा स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज करते हुए मिस्र की दिग्गज नूर एल शेरबिनी को शिकस्त दी। 18 वर्षीय अनाहत ने सिलिकॉन वैली ओपन के दूसरे दौर में दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी और आठ बार की विश्व चैंपियन एल शेरबिनी को सीधे गेम में 11-8, 11-8, 11-7 से हराकर महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। दुनिया की 15वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत ने यह मुकाबला महज 30 मिनट में अपने नाम किया।

अमेरिका के रेडवुड सिटी में खेले जा रहे 1,43,500 डॉलर इनामी राशि वाले पीएसए गोल्ड टूर्नामेंट में एल शेरबिनी शीर्ष वरीय खिलाड़ी थीं। उन्हें खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन अनाहत ने शुरुआत से ही उन्हें दबाव में रखा। भारतीय खिलाड़ी ने लगातार तीन गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। उन्होंने पहले दो गेम 11-8 के समान अंतर से जीते, जबकि तीसरे गेम में 11-7 से जीत दर्ज की। यह अनाहत के करियर की अब तक की सबसे बड़ी जीत है। वह हाल ही में एशियाई खेलों में रजत पदक जीतकर लौटी हैं। इस प्रदर्शन से उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्क्वैश में अपनी बढ़ती ताकत का एक और उदाहरण पेश किया।

मैंने उनके हर मैच को देखकर सीखा है

जीत के बाद अनाहत ने माना कि उन्हें अपनी आदर्श खिलाड़ी के खिलाफ इस तरह के नतीजे की उम्मीद नहीं थी। उन्होंने कहा, 'मैंने उनके हर मैच को देखकर सीखा है। मैं उनकी प्रशंसक रही हूं और अपने करियर में वह सब हासिल करना चाहती हूं, जो उन्होंने किया है।' अनाहत ने बताया कि भारतीय राष्ट्रीय कोच ने मुकाबले से पहले उन्हें भरोसा दिलाया था कि अगर वह अपना सर्वश्रेष्ठ खेलती हैं, तो जीत का मौका बन सकता है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगा था कि शुरुआत में मुझे उनके खेल को समझने और मुकाबले में खुद को ढालने में थोड़ा समय लगेगा। लेकिन मेरी रणनीति अच्छी तरह काम कर गई और मैं उसी पर कायम रही। मुझे अब भी यकीन नहीं हो रहा कि मैं जीत गई हूं।'

आठ बार की विश्व चैंपियन हैं एल शेरबिनी

एल शेरबिनी स्क्वैश की सबसे सफल खिलाड़ियों में शामिल हैं। वह अपने करियर में आठ बार विश्व चैंपियन बन चुकी हैं और चार बार ब्रिटिश ओपन का खिताब जीत चुकी हैं। वह 265 सप्ताह तक विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर भी रह चुकी हैं। ऐसे खिलाड़ी को सीधे गेम में हराना अनाहत के लिए बड़ी उपलब्धि है। अनाहत का अगला मुकाबला मिस्र की दुनिया की 14वें नंबर की खिलाड़ी सलमा हानी से होगा। अनाहत ने 2023 में पेशेवर स्क्वैश में कदम रखा था। पूर्व विश्व नंबर एक ग्रेगरी गॉल्टियर के साथ सौरव घोषाल और स्टीफन गैलिफी के मार्गदर्शन में वह खेल रही हैं। इस साल उन्होंने विश्व जूनियर चैंपियनशिप का खिताब भी जीता था। अब उनकी नजर सिलिकॉन वैली ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाने पर होगी।

